सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 289 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 02 अगस्त 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

श्री शिवमहापुराण कथा के लिए भूमिपूजन समारोह कल

भिलाई। जयंती स्टेडियम के पास ग्राउंड में 17 अगस्त से होने वाले पंडित प्रदीप मिश्रा की शिवमहापुराण कथा के लिए सावन के पहले सोमवार यानी 3 अगस्त को भूमिपूजन किया जाएगा। बोलबम सेवा एवं कल्याण समिति के अध्यक्ष दया सिंह ने बताया कि सावन के पावन सोमवार पर श्री शिवमहापुराण कथा स्थल का शुभ भूमिपूजन सोमवार 3 अगस्त सुबह 11:00 बजे से 9 जयंती स्टेडियम, सिविक सेंटर में किया जाएगा। उन्होंने इस पावन अवसर पर शहर के शिवभक्तों व सभी श्रद्धालुओं को आने का आह्वान किया है।

16 साल की छात्रा ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बिलासपुर। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के मगरपारा स्थित मरारगली में 16 साल की छात्रा वंशिका पांडेय ने रविवार सुबह अपने घर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वंशिका अंबेडकर स्कूल में नौवीं कक्षा की छात्रा थी। परिजनों के अनुसार, वंशिका ने अपने पिता मनोज पांडेय से मोबाइल ठीक कराने के लिए कहा था। पेशे से इलेक्ट्रिशियन मनोज पांडेय ने काम के पैसे मिलने के बाद मोबाइल सुधरवाने का भरोसा दिया था। पिता के काम पर जाने के कुछ समय बाद छात्रा ने यह कदम उठा लिया। बताया गया कि वंशिका का चचेरा भाई कमरे में पहुंचा तो उसने उसे साड़ी के फंदे से लटका देखा। उसके शोर मचाने पर परिजन पहुंचे और फंदा काटकर उसे नीचे उतारा। परिजन वंशिका को तुरंत सिम्स अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर सिविल लाइन पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मर्ग कायम किया और मामले की जांच जारी है।

बिरयानी के पैसे मांगने पर सिर पर फोड़ी बीयर की बोतल

रायपुर। राजधानी के न्यू शांति नगर स्थित 'मद्रासी बाईट पॉइन्ट' बिरयानी सेंटर में मुफ्त में खाना ले जाने से रोकने और पैसे मांगने पर दो अज्ञात बदमाशों ने होटल मैनेजर पर जानलेवा हमला कर दिया। पीड़ित अब्दुल कादिर खान की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। मामला देवेंद्र नगर थाना क्षेत्र का है। पीड़ित मैनेजर अब्दुल कादिर खान ने पुलिस को बताया कि, 31 जुलाई की रात करीब 11 बजे दो युवक होटल आए और 5 हाफचिकन बिरयानी पार्सल करने का ऑर्डर दिया। करीब 11:16 बजे खाना पैक होने के बाद एक युवक पार्सल लेकर बिना पैसे दिए जाने लगा। जब मैनेजर ने पैसों की मांग की, तो दोनों युवक भड़क गए और खाली बोतल से मैनेजर के सिर पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। घटना के बाद दोनों फरार हो गए। अब्दुल की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

राजधानी रायपुर में लोक भवन से शुरू हुआ 'नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान'

■ **पीएम मोदी ने किया शुभारंभ, युवाओं स नशामुक्त भारत के निर्माण का आह्वान**

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर आज देशभर में प्रारंभ हुए 'नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान' के तहत रायपुर स्थित लोक भवन में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राज्यपाल रमेन डेका एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में अभियान का शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने नशामुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लिया और समाज को नशे के दुष्प्रभावों से मुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से देशभर के युवाओं को संबोधित करते हुए 100 सप्ताह तक चलने वाले इस राष्ट्रव्यापी जन-जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है।

विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति में युवाओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है और यदि युवा नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा, प्रतिभा और क्षमता का सकारात्मक उपयोग करें, तो भारत को विकसित राष्ट्र बनने से कोई नहीं रोक सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं से स्वयं नशामुक्त जीवन अपनाने के साथ-साथ अपने परिवार, मित्रों और समाज को भी इस दिशा में जागरूक करने का आह्वान किया।

लोक भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का सीधा प्रसारण बड़ी संख्या में उपस्थित युवाओं ने उत्साहपूर्वक देखा। राज्यपाल रमेन डेका एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में सभी प्रतिभागियों ने नशामुक्ति की शपथ ली। कार्यक्रम में युवाओं को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, सकारात्मक सोच विकसित करने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संदेश दिया गया।

केंद्र की राज्यों को सौगात : जारी की टैक्स की राशि, छत्तीसगढ़ को मिले 3602 करोड़

■ **सीएम साय ने केन्द्र सरकार की पहल का किया स्वागत**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केंद्र सरकार ने राज्यों को वित्तीय रूप से मजबूत करने और उनके विकासात्मक कार्यों को गति देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। केंद्र सरकार ने 1 अगस्त 2026 को राज्यों को कर हस्तांतरण की एक अतिरिक्त किश्त जारी कर दी है। इसके तहत कुल 109019 करोड़ रुपए की राशि राज्यों को ट्रांसफर की गई है। खास बात यह है कि यह राशि 10 अगस्त 2026 को जारी की जाने वाली नियमित मासिक हस्तांतरण के अतिरिक्त जारी की गई है। इस राशि में से छत्तीसगढ़ को 3,602 करोड़ रुपए मिले। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केन्द्र सरकार के इस पहल का स्वागत किया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकारी संघवाद की भावना को सशक्त बनाने वाला ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि राज्यों की विकास आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए समय से पहले कर हिस्सेदारी उपलब्ध कराना केंद्र सरकार की संवेदनशील, दूरदर्शी और विकासोन्मुखी सोच का परिचायक है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ को अग्रिम कर हस्तांतरण के रूप में 3,602 करोड़ की राशि प्राप्त होने से प्रदेश में अधोसंरचना विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा विभिन्न विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन को और गति मिलेगी। इससे सड़क, सिंचाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल सहित विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे कार्यों को समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाने में सहायता मिलेगी और विकास के लाभ अंतिम व्यक्ति तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सकेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार निरंतर राज्यों को सशक्त बनाने तथा उनकी वित्तीय क्षमता को मजबूत करने के लिए प्रभावी निर्णय ले रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के प्रति प्रदेशवासियों की ओर से हार्दिक आभार व्यक्त किया।

विकास कार्यों को मिलेगी नई गति : वित्त मंत्री चौधरी

प्रदेश के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि कर हस्तांतरण के अंतर्गत छत्तीसगढ़ को 3,602 करोड़ रुपये की अग्रिम कर हिस्सेदारी प्राप्त हुई है। यह राशि राज्य में अधोसंरचना विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा विकास कार्यों को नई गति प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार राज्यों के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। समय पर कर हस्तांतरण से राज्यों की वित्तीय क्षमता मजबूत होती है, जिससे विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आती है और आम नागरिकों तक योजनाओं का लाभ अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचता है।

पीएम को गाली देने वाली छात्रा का आरोप, दुष्कर्म की मिल रहीं धमकियां

■ **दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान दी थी पीएम को गाली**

नईदिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ टिप्पणी करने के बाद चर्चा में आई 15 वर्षीय छात्रा ने अपनी सुरक्षा को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्रा का कहना है कि उसका मोबाइल नंबर सोशल मीडिया पर सार्वजनिक कर दिया गया, जिसके बाद उसे लगातार दुष्कर्म और जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। उसने पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि उसके साथ किसी बड़े अपराधी जैसा व्यवहार किया जा रहा है।

छात्रा ने कहा कि अज्ञात नंबरों से लगातार धमकी भरे फोन आ रहे हैं। उसके मुताबिक, कॉल करने वाले अश्लील और हिंसक भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे वह और उसका परिवार बेहद डरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि मेरा मोबाइल नंबर लीक कर दिया गया है। लगातार धमकी भरे फोन आ रहे हैं। कहा जा रहा है कि जहां भी मिलूंगी, दुष्कर्म करेंगे और मार देंगे। मैं बहुत डरी हुई हूं।

पुलिस कार्रवाई पर भी उठाए सवाल

छात्रा का आरोप है कि पुलिस लगातार उसके घर पहुंच रही है और उसे ऐसे तलाश रही है, जैसे उसने कोई गंभीर अपराध किया हो। उसने कहा कि मामला दर्ज होने के बाद से परिवार पर भी दबाव का माहौल है। छात्रा ने कहा कि वह पहले ही सार्वजनिक रूप से अपने बयान के लिए माफी मांग चुकी है। उसने यह भी दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से माफी स्वीकार किए जाने की बात सामने आने के बावजूद पुलिस कार्रवाई जारी है। उसने अपील की कि अब उसे इस मामले में राहत दी जाए।

चरित्र शंका पर पति ने हंसिया से वार कर पत्नी को मार डाला, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिका परिषद कुम्हारी क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 4, महामाया पारा दुर्गा मंच के पास रविवार की सुबह एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। घरेलू विवाद और चरित्र पर शंका के चलते एक पति ने अपनी 22 वर्षीया पत्नी पर हंसिया से ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी। गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाई गई महिला ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। कुम्हारी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी पति को हिरासत में लेकर पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार मृतका का नाम दुर्गा यादव (22 वर्ष) और आरोपी का नाम घनश्याम यादव (25 वर्ष) है। दोनों का विवाह चार वर्ष पूर्व हुआ था और उनका छह माह का एक बच्चा भी है। बताया जा रहा है कि आरोपी घनश्याम आदतन शराबी है। वह अक्सर शराब के नशे में अपनी पत्नी पर पराए मर्द से संबंध रखने का आरोप लगाकर मारपीट किया करता था। रविवार सुबह लगभग 9:30 बजे इसी बात को लेकर दोनों में फिर से विवाद शुरू हो गया।

देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आक्रोशित घनश्याम ने घर में रखे सब्जी काटने वाले हंसिया से दुर्गा के माथा गले और पीठ पर कई प्रहार कर दिए। शरीर के कई हिस्सों पर गंभीर चोट लगने से महिला लहूलुहान होकर गिर पड़ी। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची कुम्हारी पुलिस ने गंभीर रूप से घायल दुर्गा यादव को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों के प्रयास के बावजूद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी घनश्याम यादव को गिरफ्तार कर लिया है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। 6 महीने के मासूम बच्चे के सिर से मां का साया उठ जाने से कुम्हारी बस्ती इलाके में शोक का माहौल है।

बिलासपुर की सरकारी शराब दुकान में लगी आग: लाखों का स्टॉक जला

■ **4 दमकलों ने 2 घंटे में पाया काबू, आगजनी के कारणों की जांच में जुटी पुलिस**

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर शहर के व्यापार विहार स्थित सरकारी शराब दुकान में शनिवार तड़के भीषण आग लग गई। आग इतनी विकराल थी कि इसे बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड के तीन वाहनों के साथ हाईकोर्ट परिसर में तैनात दमकल वाहन को भी मौके पर बुलाना पड़ा। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस हादसे में शराब का बड़ा स्टॉक और दुकान का सामान जलकर नष्ट हो गया।

डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट दीपांशु नाथ ने बताया कि रात 2:22 बजे आग लगने की सूचना मिली। दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का काम शुरू किया, लेकिन इसी दौरान आग ने अचानक और विकराल रूप ले लिया। स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त दमकल वाहन बुलाए गए। फायर ब्रिगेड की टीम ने लगातार प्रयास करते हुए सुबह करीब 4 बजे आग पर पूरी तरह काबू पाया। समय रहते आग को आसपास की दुकानों और अन्य प्रतिष्ठानों तक फैलने से रोक लिया गया।

80-90 ब्रांड की शराब थी मौजूद

एडिशनल कमिश्नर एक्साइज नवनीत तिवारी ने बताया कि दुकान में 80 से 90 ब्रांड की शराब का स्टॉक रखा हुआ था। फिलहाल स्टाफ स्टॉक का मिलान कर नुकसान का आकलन कर रहा है। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है, हालांकि वास्तविक कारण जांच के बाद ही स्पष्ट होगा।

एक महीने में तीसरी आग की घटना

गौरतलब है कि व्यापार विहार क्षेत्र में पिछले एक महीने के भीतर आग लगने की यह तीसरी बड़ी घटना है। इससे पहले माल धक्का इलाके में दो बार आग लग चुकी है। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं को देखते हुए प्रशासन और संबंधित विभाग अब पूरे मामले की विस्तृत जांच में जुट गए हैं।

बीएसपी लोहा चोरी, जीएम-एजीएम के बाद भाजपा नेता गिरफ्तार

भिलाई। बीएसपी में लोहा चोरी का मामला छत्तीसगढ़ के सबसे चर्चित मामलों में शामिल हो गया है। तरूहिमांशु भूषण मलिक और तरू मनोज कुमार देवांगन के बाद पुलिस ने शनिवार को वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा मंडल कोषाध्यक्ष भास्कर मुदलियार को गिरफ्तार किया है। मामले में पुलिस का कहना है कि लोहा चोरी में जिन ट्रकों का इस्तेमाल किया जा रहा था, वे भास्कर मुदलियार से जुड़े हैं। इसी आधार पर उससे पूछताछ की गई और बाद में उसे गिरफ्तार किया गया। हालांकि, गिरफ्तारी के बाद भास्कर मुदलियार को पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया गया है। शुरुआत में इसे स्क्रैप चोरी का मामला माना गया था, लेकिन पुलिस जांच आगे बढ़ी तो पता चला कि यह एक संगठित गिरोह का काम था। जांच में प्लांट के कुछ अधिकारी, ठेकेदार, ट्रांसपोर्टर, कारोबारी और अब एक भाजपा नेता का नाम भी सामने आया है। अब तक इस मामले में 17 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस की जांच अभी भी जारी है।

संपादकीय

अब हवाई 'नाका'

ड्रग्स की खेप पहुंचाने से पहले रोकें ड्रोन

जब से पाक से लगती सीमा पर कड़ी सुरक्षा बढ़ी और पाक के संस्थागत सहयोग से सक्रिय तस्करों की आवाजाही बाधित हुई, उसने तकनीक व ड्रोन की मदद से नशे, नकली करेंसी व हथियार भेजने की साजिश को अंजाम देने शुरू किया। ड्रोन के जरिये लगातार नशे-हथियारों की तस्करी से पैदा खतरे के मद्देनजर, पाक सीमा से ड्रग्स व हथियार लाने वाले ड्रोनों को रोकने के लिये पंजाब में नई पहल हुई है। हवाई चेक प्वाइंट या 'हवाई नाके, लगाने का यह फैसला,सुरक्षा के बदलते खतरे से निपटने का एक नया और असरदार तरीका साबित हो सकता है। निस्संदेह, तस्करी करने वाले अपराधी गिरोहों ने, कानून लागू करने वाली एजेंसियों से ज्यादा तेजी से टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया है। पाक द्वारा संस्थागत रूप से पोषित तस्करों की जगह जीपीएस-निर्देशित ड्रोनों का इस्तेमाल शुरू किया गया। ये ड्रोन भारतीय सीमा में निर्धारित जगहों में बहुत भीतर तक हेरोइन, हथियार और गोला-बारूद गिराने में सक्षम हैं। आसमान में उड़ने वाले दुश्मन के खिलाफसामान्य चेक प्वाइंट कुछ नहीं कर पाते। यह सुरक्षा एजेंसियों व पुलिस के लिये बड़ी चुनौती है। यही वजह है कि आज पंजाब ड्रोन के जरिये होने वाली नशीले पदार्थों की तस्करी का मुख्य केंद्र बन गया है। देश में ज्यादातर ड्रोन तस्करी की घटनाएं पाक से लगते पंजाब के सीमावर्ती जिलों में हुई हैं। दरअसल, ड्रग्स का कारोबार अब सिर्फ कानून-व्यवस्था की समस्या मात्र नहीं रह गया। आज यह सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल है। जिसके प्रकोप से असंख्य परिवार बर्बाद हो गए हैं।

> " भारत के संप्रभु राष्ट्र बनने के बाद से ही पाकिस्तान देश व भारतीय समाज को क्षति पहुंचाने के तमाम षड्यंत्र रचता और उन्हें अंजाम देने की हर कोशिश करता रहा है। शक्तिशाली सेना का मुकाबला न कर पाने पर वह छद्म युद्ध, आतंकवाद व नशे के जरिये भारत को चोट पहुंचाने की साजिश करता है। साथ ही सामान गिराने की जगहों की पहचान के बाद नशीले पदार्थों व हथियारों की आपूर्ति करने के लिये इंतजार कर रहे स्थानीय लोगों को पकड़ा जा सके। सही मायने में खुफिया जानकारी,एंटी-ड्रोन सिस्टम तथा पंजाब पुलिस, बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स व केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल के साथ यह रणनीति तस्करों पर शिकंजा कसने में मददगार साबित हो सकती है।

यह एक बड़ी हकीकत है कि नशे का कारोबार राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये भी एक बड़ा खतरा है। वास्तव में नशा तस्कर इन्हीं रास्तों का प्रयोग राष्ट्रविरोधी ताकतों को हथियार पहुंचाने और आतंकी नेटवर्क को फंडिग के लिये करते हैं। दरअसल, हवाई नाके का विचार, सिर्फआपराधिक घटना के बाद होने वाली पुलिस कार्रवाई से हटकर, अपराध के होने से पहले होने वाली पुलिस कार्रवाई होगी। निश्चय ही यह स्वागत योग्य बदलाव है। अब सुरक्षा एजेंसियों व पुलिस की कोशिश होगी कि ड्रग्स की खेप जमीन पर पहुंचाने के बाद उसे बरामद करने के प्रयास करने की बजाय, पहले ही ड्रोनों की निगरानी की जाए। जिससे समय रहते ड्रोनों का पता लगाकर, उनके उड़ने के रास्ते को ट्रैक किया जा सके। साथ ही सामान गिराने की जगहों की पहचान के बाद नशीले पदार्थों व हथियारों की आपूर्ति करने के लिये इंतजार कर रहे स्थानीय लोगों को पकड़ा जा सके। सही मायने में खुफिया जानकारी,एंटी-ड्रोन सिस्टम तथा पंजाब पुलिस, बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स व केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल के साथ यह रणनीति तस्करों पर शिकंजा कसने में मददगार साबित हो सकती है। यह भी हकीकत है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तस्करी करने वाले गिरोह अपना नेटवर्क समय के साथ नई तकनीकों के जरिये बदलते रहते हैं। जिसके लिये वे बड़े ड्रोन, एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन और लगातार बदलती रणनीतियों का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए नई तकनीक के साथ-साथ लगातार खुफिया जानकारी जुटाने तथा तस्करी करने वाले गिरोहों को खत्म करने के लिये निरंतर मजबूत फाइनेंशियल जांच जरूरी है। इसके अलावा इनके मददगार लोगों पर तेजी से कानूनी कार्रवाई करना भी जरूरी है। कोशिश हो कि नशे के खिलाफअभियान में नागरिकों की सक्रिय भूमिका हो। इसके लिये सामाजिक स्तर पर रचनात्मक कार्यक्रम चलाकर नशे के विरुद्ध अभियान चलाना भी जरूरी है। जिसके तहत नशा छुड़ाने, नशा छोड़ने वालों का पुनर्वास करने तथा जागरूकता के लिये असरदार कार्यक्रम चलाने की भी जरूरत है। सही मायने में यदि 'हवाई नाकों' को पर्याप्त संसाधनों के साथ अमली-जामा पहनाया जाए, तो निश्चित तौर पर ये सीमा पार से होने वाली नशे की तस्करी पर अंकुश लगा सकते हैं।

छात्रों और युवाओं के आंदोलन का अपमान

अजीत द्विवेदी

> आपदा को अवसर बनाने की कला में माहिर राइटविंग के कई इन्फ्लूएंसर और हर घटनाक्रम में साजिश का पहलू खोजने वाले मोदी विरोधी दोनों एक साथ दावा कर रहे हैं कि जंतर मंतर पर हुआ आंदोलन प्रायोजित था और इस आंदोलन से सरकार को बहुत फायदा हुआ है। कहा जा रहा है कि सरकार बड़ी सफलता के साथ राममंदिर के चढ़ावा चोरी और इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का मुद्दा लोगों के जेहन से निकालने में कामयाब हो गई। सोचें, यह कितना बेसिरपैर का तर्क है? चढ़ावा चोरी अब भी लोगों के जेहन में है और ई-20 पेट्रोल का मामला लोगों के अपने जीवन और उनकी जेब से जुड़ा है इसलिए वह भी ध्यान से नहीं निकलने वाला है। ई-20 पार्टी नाम से एक संगठन बन गई है, जिसकी ओर से आंदोलन की तैयारी की जा रही है। फिर भी अगर यह प्रायोजित आंदोलन था तो कह सकते हैं कि सरकार ने सिर दर्द से छुटकारा पाने के लिए गर्दन कटवाने का काम किया है।

असल में आंदोलन को प्रायोजित बताने वाले लोग छात्रों और युवाओं के इस आंदोलन का अपमान कर रहे हैं। वे छात्रों और युवाओं को सरकार या किसी और के हाथ का प्यादा साबित करने में लगे हैं। हकीकत यह है कि इस तरह की बात करने वालों को अपनी नई पीढ़ी के बारे में कोई अंदाजा नहीं है और वे उन्हें समझने का प्रयास भी नहीं कर रहे हैं। उनको पता नहीं है कि जितना बड़ा आंदोलन जंतर मंतर पर था उससे कितना बड़ा आंदोलन पूरे देश में चल रहा था। युवाओं ने इंस्टाग्राम को ही जंतर मंतर बना दिया था, जहां वे अपनी लड़ाई लड़ रहे थे।

उन्हें और उनके आंदोलन को डिमीन करने या अपमानित करने से पहले उन्हें समझने की कोशिश करनी चाहिए। यह ध्यान रखना चाहिए कि उन्हें पुराने मुहावरों या मूल्यों के आधार पर नहीं समझा जा सकता है। उनके सभी बुनियादी मूल्य बदल गए हैं, उन्हें पुराने फॉर्मूले से आप पहचान नहीं पाएंगे। उनके लिए कमाई और सफलता की धारणा बदल गई है। वे बिना ऑफिस स्पेस के ऑफिस चलाते हैं, बिना पारंपरिक मुद्रा के कमाई करते हैं, उनकी सफलता उम्र और अनुभव का इंतजार नहीं करती है। जन्म के साथ मिली पहचान की धारणा को उन्होंने काफी हद तक तोड़ दिया है। इस रूप में उन्हें स्वीकार कीजिए और उन्होंने जो हासिल किया है उसका उत्सव मनाइए।

इसके उलट यह प्रचार करना मूर्खता है कि सरकार ने या किसी और ने आंदोलन को प्रभावित किया। वास्तविकता यह है कि इस आंदोलन से सरकार को कुछ भी हासिल नहीं हुआ है। उलटे सरकार ने अपनी साख, अपनी लोकप्रियता और अपना समर्थन गंवाया है। एक पूरी पीढ़ी की स्मृतियों में दशकों तक जंतर मंतर की तस्वीरें रहेंगी। उनको याद रहेगा कि जब वे अपनी तकलीफों का समाधान मांगने जंतर मंतर पर गए थे तब सरकार ने उनके ऊपर लाठियां चलवाई थीं, आंसू गैस के गोले छोड़े थे, उनको घायल करने के लिए पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया था। उन्हें याद रहेगा कि उनकी रचनात्मकता और लोकप्रियता से घबराई सरकार ने इंटरनेट बंद कर दिया था। उनके सहयोग के लिए बढ़े हाथों को कानूनी दांव पेंच के जरिए रोका था। जंतर मंतर की तरफ बढ़ने वाले कदमों की रफ्तार रोकने के लिए कई दिन तक मेट्रो बंद रखे गए थे। फूड डिलीवरी ऐप्स को रोका गया था। जंतर मंतर के आसपास के दुकानदारों को धमकाया गया था। छात्रों के ऊपर मुकदमे किए गए थे।

ये तमाम बातें नई पीढ़ी के युवाओं की स्मृति में स्थायी रूप से दर्ज रहेंगी। जिस तरह से आजादी के बाद की पीढ़ी की यादों में आजादी की लड़ाई के मूल्य दर्ज थे उसी तरह इस पीढ़ी की यादों में पेपर लीक से लेकर पुलिस के लाठी चलाने तक की घटना दर्ज रहेगी। उनका राजनीतिक और मतदान व्यवहार इससे प्रभावित होगा। राजनीतिक पार्टियां आमतौर पर मानती हैं कि एक बार आंदोलन खत्म होने के बाद सब कुछ बदल जाता है और पुराने ढर्रे पर लौट आता है। याद करें कैसे किसान आंदोलन खत्म होने के बाद वापस लौटे किसानों ने अपनी किसान वाली अस्मिता छोड़ दी थी और घर में खूंटी पर टंगी जाति औऱ धर्म वाली अस्मिता ओढ़ ली थी।

वैसे ही भाजपा को लग रहा होगा कि छात्र और युवा भी घर लौटेंगे तो प्रदर्शनकारी 'जेन जी' वाली अस्मिता खूंटी पर टांग देंगे और जाति व धर्म वाली अस्मिता ओढ़ लेंगे। हो सकता है कि कुछ युवाओं के साथ ऐसा हो लेकिन व्यापक रूप से उनके व्यवहार में बदलाव होने की संभावना कम है।

ऐसा होने के कई कारण हैं। एक, युवाओं ने बहुत ठोस कारण से आंदोलन शुरू किया था। जब उनकी पीड़ पर्वत सी हो गई थी तब वे सड़क पर उतरे थे। अभी तुरंत उनकी इस पीड़ा का समाधान नहीं होने जा रहा है। दो, डिजिटली कनेक्टेड इस दौर में उनके आंदोलन की यादें हमेशा उनके साथ रहेंगी। वे इसकी सफलता को लंबे समय तक याद रखना चाहेंगे। तीन, उनका परिवार भी किसी न किसी रूप में इस आंदोलन से जुड़ा था। इसलिए अपनी अस्मिता बदलने के लिए उनके ऊपर अब कोई बाहरी दबाव नहीं होगा। चार, संसदीय लोकतंत्र में संविधानेत्तर उपकरणों से जो बदलाव होते हैं उनसे उम्मीदें तो बहुत बड़ी होती हैं लेकिन उनके पूरा नहीं होने पर निराशा भी उतनी ही बड़ी होती है। इसलिए युवाओं का उत्साह जिन उम्मीदों से बढ़ा है अगर वो निराशा में बदलती हैं तो ज्यादा मुश्किल होगी। नेपाल में सबने देखा है कि कैसे छह महीने से भी कम समय में 'जेन जी' का अपनी ही बनाई सरकार से मोहभंग हुआ।

सरकार को भी इसका अंदाजा है तभी उसने तात्कालिक उपाय और दीर्घावधि के लिए जरूरी उपाय एक साथ शुरू किए हैं। एक तरफ पेपर लीक रोकने के लिए 2024 में लाए गए कानून को दो साल के अंदर ही संशोधित किया जा रहा है और ज्यादा सख्त कानून बनाया जा रहा है। इसका मकसद युवाओं को तात्कालिक संतोष देना है। लेकिन साथ ही एक उच्चाधिकार प्राप्त कमेटी बना कर परीक्षा व्यवस्था की संस्थागत और संरचनागत समस्याओं को दूर करने की पहल भी की गई है। सरकार ने बहुत सोचे समझे तरीके से इस कमेटी की अध्यक्षता के लिए नंदन नीलेकणी का नाम तय किया है। सरकार को पता था कि उनको बनाए जाने पर यह सवाल उठेगा कि कांग्रेस के नेता रहे व्यक्ति को सरकार ने इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी है। लेकिन इसी से इस पूरी पहल की विश्वसनीयता भी बनेगी। सरकार की पहली चिंता परीक्षा व्यवस्था में सुधार के प्रयासों की विश्वसनीयता बहाल करने की है। वह नंदन नीलेकणी के नाम से होगा। सरकार को धारणा के स्तर पर इसका लाभ मिल सकता है।

परंतु अभी अगर कोई कहता है कि यह आंदोलन सरकार या किसी और द्वारा प्रायोजित किया गया था या कॉकरोच जनता पार्टी भी भाजपा का उपक्रम है या सोनम वांगचुक सरकार के एजेंट थे और इन सबको आगे कर सरकार ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी या पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण के मामले को सार्वजनिक विमर्श से हटा दिया है तो उसे वास्तविक हालात की जानकारी नहीं है। वास्तविक स्थिति यह है कि सरकार को 'जेन जी' के इस आंदोलन से बड़ा नुकसान हुआ है। नरेंद्र मोदी बतौर प्रधानमंत्री अपनी जो विरासत बना रहे थे उस पर संकट आया है। अच्छी बात यह है कि प्रधानमंत्री मोदी इस बात को समझ रहे हैं। वे किसी भ्रम में नहीं हैं। इसलिए इसको ठीक करने के प्रयास कर रहे हैं। कामयाबी कितनी मिलेगी, कह नहीं सकते हैं।

एनडीए सांसदों के सत्रीय 'मंगल मिलन' के सियासी मायने

कमलेश पांडे

> भाजपा नेतृत्व ने अपने सर्वाधिक संकटग्रस्त काल से गुजरते हुए अपने सांसदों और सहयोगी सांसदों को याद किया, जिसे राजनीतिक गलियारे में एनडीए सांसदों के 'मंगल मिलन' की उपमा दी गई है। हालांकि यह अनौपचारिक बैठक, संवाद या सामूहिक कार्यक्रम संसद सत्र के दौरान हरेक मंगलवार को आहूत होती है।

केंद्र में पिछले 12 वर्षों से सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (ह्रष्ठ) सरकार इन दिनों पुन: उस एकजुट विपक्ष के निशाने पर है, जिसे वह अबतक चुनावी सियासी पाट पर पछाड़ते आई है। लेकिन जिस तरह से बहुरूपिया विपक्ष कभी मुसलमानों के छद्म वेश में, कभी किसानों के रूप में और कभी छात्रों के छद्म वेश में जिस तरह से मोदी सरकार को घेरने पर तुला हुआ है, उसके पीछे विदेशी हाथ से इंकार नहीं किया जा सकता है। फिर भी सरकार सबसे जूझ रही है! हाल ही में छात्र आंदोलन की कथित सफलता से घबराई सरकार ने जिस तरह से अपने ओबीसी रणनीतिकार शिक्षा मंत्री की राजनीतिक बलि चढ़ाई है, और इससे उत्साहित कॉकरोच जनता पार्टी के नेता अभिजीत दीपके ने जिस घमंड का प्रदर्शन किया, उससे विपक्ष उत्साहित है। यही वजह है कि अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को सीधे निशाने पर लिया जाने लगा है।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत का अतीत और खुद देश का भविष्य करार दिया है, उसके मुताल्लिक इतना ही इशारा करना काफी होगा कि भाजपा के चाणक्य अमित शाह ने देश का भविष्य तय कर दिया है और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को आगे करके एक तीर से कई शिकार करने की योजना बनाई है, क्योंकि भाजपा की ओबीसी राजनीति में श्री चौधरी अपने नैसर्गिक सियासी गुणों के चलते फिट बैठते हैं। ये अभी अंदरखाने की बात है, लेकिन राहुल गांधी को आगाह करने के लिए मैंने इस सच्चाई को डिस्क्लोज कर दिया है, जो हिंदी पट्टी के मिजाज पर फिट बैठता है। इतिहास

शायद यही वजह है कि भाजपा नेतृत्व ने अपने सर्वाधिक संकटग्रस्त काल से गुजरते हुए अपने सांसदों और सहयोगी सांसदों को याद किया, जिसे राजनीतिक गलियारे में एनडीए सांसदों के मंगल मिलन की उपमा दी गई है। हालांकि यह अनौपचारिक बैठक, संवाद या सामूहिक कार्यक्रम संसद सत्र के दौरान हरेक मंगलवार को आहूत होती है। हालिया एनडीए संसदीय दल की मंगल मिलन बैठक गत 28 जुलाई 2026 (मंगलवार) को, संसद के मानसून सत्र के दौरान हुई।

यह मंगल मिलन नाम से आयोजित होने वाली नियमित मंगलवार की संसदीय दल की बैठक थी। जो नई दिल्ली में संसद पुस्तकालय भवन के जीएमसी बालयोगी ऑडिटोरियम में संपन्न हुई। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, संसदीय कार्य मंत्री तथा एनडीए के अनेक सांसद और वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। इसमें एनडीए के सभी प्रमुख घटक दलों के सांसद शामिल हुए, जिनमें प्रमुख रूप से भारतीय जनता पार्टी , तेलगु देशम पार्टी ,लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) , हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा, अपना दल (सोनेलाल) अन्य एनडीए सहयोगी दलों के सांसद शामिल हुए। खास बात यह कि पहली बार नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया के सांसद भी बैठक में शामिल हुए, क्योंकि पार्टी को हाल में एनडीए का सहयोगी बनाया गया है। इस बैठक की सबसे चर्चित बात NCPI सांसदों की पहली भागीदारी रही, जिसे एनडीए के विस्तार और संसद में संख्या एवं राजनीतिक समन्वय को मजबूत करने के संकेत के रूप में देखा गया। अनुवादटूल और संसाधन

कांवड़ यात्रा: भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर

डॉ. आशीष वशिष्ठ

> कांवड़ में दूर-दूर से पवित्र नदियों, खासकर गंगा का जल भरकर लाते हैं। इसे पैदल यात्रा करते हुए शिवलिंग पर चढ़ाते हैं। इस संकल्प यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण होता है कांवड़ को अपने कंधे पर उठाकर ले जाना। यह कोई साधारण परंपरा नहीं है। इसके पीछे गहराई से जुड़ी हुई पौराणिक मान्यताएं छुपी हुई हैं। सावन मास की शुरुआत होते ही हिमालय से लेकर कन्याकुमारी तक, गंगा गंगोत्री से लेकर रामेश्वरम तक सम्पूर्ण भारत शिवमय हो उठता है। सावन मास में शि?विभक्तों की विशाल पदयात्राएं जो कांवड़ यात्रा के नाम से जानी जाती है, भारतीय संस्कृति की जीवंतता का अनुपम दृश्य प्रस्तुत करती हैं। कंधों पर सुसज्जित कांवड़, मुख पर बोल बम का उद्घोष, हृदय में भगवान शिव के प्रति अनन्य भक्ति। यही है कांवड़ यात्रा का वास्तविक स्वरूप।

कांवड़ यात्रा केवल एक सामान्य यात्रा नहीं है, बल्कि ये तपस्या, भक्ति और श्रद्धा की वह गाथा है जो शताब्दियों से चली आ रही है। धर्मशास्त्रों के अनुसार जब कांवड़ से जुड़े दोनों पात्र जिन्हें ब्रह्मघट और विष्णुघट कहा जाता है, पवित्र जल से भर लिए जाते है, तो उन्हें एक बांस की डण्डी के सहारे सजा-धजा कर और पूजित कर, स्थापित कर दिया जाता है। धर्मशास्त्रों के अनुसार रूद्र अर्थात् शिव बांस में समाहित हैं। भारत में दो कांवड़ यात्राएं होती हैं, दिल्ली से उत्तराखंड-गंगोत्री, ऋषिकेश या हरिद्वार तक की कांवड़ यात्रा और बिहार और झारखंड में सुल्तानगंज से देवघर तक की कांवड़ यात्रा। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश से सैकड़ों-हजारों लोग, युवा से लेकर बुजुर्ग तक, जिनमें महिलाएं और कभी-कभी बच्चे भी कांवड़ यात्रा में भाग लेते हैं। कंधों पर लटका पवित्र जल भगवान शिव को समर्पित है, जिन्हें अक्सर भोला या भोले बाबा कहकर पुकारा जाता है। भोले का अर्थ भोलेनाथ, यानी भगवान शिव भी हो सकता है। इसलिए, तीर्थयात्री भोला और भोले हैं!

वर्तमान में, कांवड़ यात्रा विश्व की सबसे बड़ी धार्मिक पदयात्राओं में मानी जाती है। आधुनिक समय में इसकी भव्यता अत्यधिक बढ़ी है, किंतु इसकी आध्यात्मिक जड़ें वैदिक एवं पौराणिक परंपराओं में गहराई तक समाई हुई हैं। प्राचीन ग्रंथों में कांवड़ यात्रा का उल्लेख प्राय: किया जाता है। यह प्रश्न बार-बार पूछा जाता है कि कांवड़ यात्रा का उल्लेख किस ग्रंथ में मिलता है? इसका उत्तर थोड़ा सूक्ष्म है। कांवड़ शब्द अपने वर्तमान अर्थ में पुराणों में प्रत्यक्ष रूप से नहीं मिलता। किंतु पवित्र नदी से जल लाकर भगवान शिव का अभिषेक करने की परंपरा का वर्णन अनेक पुराणों में स्पष्ट रूप से मिलता है। वर्तमान कांवड़ यात्रा उसी प्राचीन शिवाभिषेक परंपरा का आधुनिक स्वरूप मानी जाती है। अर्थात् कांवड़ यात्रा का भाव पुराण सम्मत है, जबकि कांवड़ शब्द अपेक्षाकृत उत्तरकालीन लोक प्रचलित नाम है। कंवार शब्द की व्युत्पत्ति, जिसका अर्थ कंधा है। लोगऔर समाज

कांवड़ में दूर-दूर से पवित्र नदियों, खासकर गंगा का जल भरकर लाते हैं। इसे पैदल यात्रा करते हुए शिवलिंग पर चढ़ाते हैं। इस संकल्प यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण होता है कांवड़ को अपने कंधे पर उठाकर ले जाना। यह कोई साधारण परंपरा नहीं है। इसके पीछे गहराई से जुड़ी हुई पौराणिक मान्यताएं छुपी हुई हैं।

वाकई में कांवड़ यात्रा का जिक्र किसी पौराणिक ग्रंथ में सीधे तौर पर नहीं मिलता है। इसका भी स्पष्ट रूप से कोई जिक्र नहीं है कि किसने पहली बार कांवड़ यात्रा शुरू की थी, लेकिन लोक व्यवहार में महाबली रावण, महाविष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम, अगस्त्य ऋषि, महर्षि मार्कंडेय, महारथी कर्ण और 61 नयनार संतों में से एक संत कनप्पा जैसे कई नाम शामिल हैं, जिन्होंने महादेव शिव को बड़ी सरल-सहज और आसान विधि से पूजन कर प्रसन्न किया था। रावण और भगवान परशुराम द्वारा तो शिवजी के लिए कांवड़ लाकर भी उनका जलाभिषेक करने का प्रसंग लोक कथाओं में मिलता है, हालांकि पुराणों में हर जगह इनके द्वारा की गई विधिवत पूजा का ही वर्णन मिलता है, जिसमें पंचोपचार पूजन से लेकर, षोडशोपचार पूजन तक का वर्णन मिलता है, फिर भी कांवड़ द्वारा जल लाकर शिवजी के अभिषेक का वर्णन नहीं मिलता है।

हालांकि कांवड़ शब्द का जिक्र रामायण में मिलता है। जहां राजा दशरथ द्वारा गलती से श्रवण कुमार की हत्या हो जाती है। इस प्रसंग में जब श्रवण कुमार के चरित्र का वर्णन आता है तब कांवड़ का जिक्र होता है। जहां पता चलता है कि श्रवण कुमार अपने अंधे माता-पिता को कांवड़ में बैठाकर उन्हें तीर्थ यात्रा पर ले जाता है। कांवड़ असल में तराजू जैसी आकृति का एक नमूना होता है। श्रवण ने अपने माता-पिता को दोनों ओर बिठा लिया और कांवड़ कंधे पर रखकर चला।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के तीर्थ क्षेत्र में दशानन रावण से जुड़ी कई लोक कथाएं प्रचलित हैं। यहां नोएडा के पास बिसरख गांव को रावण की जन्मस्थली बताया जाता है। मेरठ को मयराष्ट्र बताते हुए उसे रावण की ससुराल बताया जाता है। यहीं बागपत स्थित पुरा महादेव मंदिर को लेकर मान्यता है कि यहां पर खुद रावण ने गढ़मुक्तेश्वर से गंगाजल लाकर शिवजी का जलाभिषेक किया था।

जबकि रावण से भी सैकड़ों वर्ष पहले भगवान परशुराम ने इस मंदिर में शिवलिंग की स्थापना की थी और 108 कलश से उनका अभिषेक किया था।

स्कंद पुराण में शिव उपासना के लिए रामोपाख्यान सर्ग में एक जिक्र आता है, जहां शिवगण नंदी और रावण की बातचीत होती है. इस स्थान पर नंदी कहते हैं कि जो प्राणी जलाशय से शिवालय तक पैदल ही गमन करता है, और फिर जल ले जाकर शिवालय को धोकर साफकरता है, वह बिना किसी विधान की पूजा के शिवलोक को प्राप्त कर लेता है। यहां ध्यान देने वाली बात है कि स्कंद पुराण में कांवड़ यात्रा का जिक्र नहीं है, लेकिन ये जरूर लिखा है कि 'जलाशय से जल लेकर शिवालय तक की यात्रा'. संभवत: आगे चलकर यही व्याख्या कांवड़ यात्रा के संदर्भ में ली गई होगी।

हालांकि कांवड़ यात्रा विशुद्ध ग्रामीण परंपरा है और इसकी शुरुआत इधर के आधुनिक काल में ही कभी हुई हो, इसकी अधिक संभावना हो सकती है। शिवजी की कावड़ यात्रा का जिक्र पुराणों में मिले न मिले, किसी रावण ने कांवड़ पहले चढ़ाई हो या नहीं, शिवभक्तों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। उनके लिए तो बस इतनी सी बात है, वे शिव के हैं और शिव उनके हैं।

वहीं कांवड़ के व्युत्पत्तिपरक जो अर्थ किए गए हैं, उनमें एक के अनुसार 'क' अक्षर अग्नि को द्योतक है और 'आवर' का अर्थ ठीक से वरण करना। प्रार्थना यह है कि अग्नि अर्थात स्त्रष्टा, पालक एवं संहारकर्ता परमात्मा हमारा मार्गदर्शक बने और वही हमारे जीवन का लक्ष्य हो तथा हम अपने राष्ट्र और समाज को अपनी शक्ति से सक्षम बनाएं।

गंगाजल, पारद, पाषाण, धतूराफल आदि सबमें शिव सत्ता मानी गई है। अत: सब प्राणियों, जड़-जंगम पदार्थों में स्वयं भूतनाथ पशुपतिनाथ की सुगमता और सुलभता ही तो आपको देवाधिदेव महादेव सिद्ध करती है। कांवड़ शिव के उन सभी रूपों को नमन है। कंधे पर गंगा को धारण किए श्रद्धालु इसी आस्था और विश्वास को जीते हैं। यों भी कह सकते हैं कि कांवड़ यात्रा शिव के कल्याणकारी रूप और निष्ठा के नीर से उसके अभिषेक को तीव्र रूप में प्रतिध्वनित करती है।

लोकतांत्रिक पहल का नया दरवाजा खुला

> अवसरहीनता से जूझ रही नई पीढ़ी 'अतीत के गौरव की वापसी', 'विकसित भारत', या 'विश्व गुरु' जैसी कहानियों से प्रभावित नहीं है। वह मोदी सरकार से उसके 12 साल के कार्यकाल का हिसाब मांग रही है। एक मंत्री को इस्तीफा देने पर मजबूर करने की कॉकरोच आंदोलन की सफलता से जनमत के एक हिस्से में लोकतंत्र के जिंदा होने का बना अहसास यही बताता है कि हालिया वर्षों में लोकतंत्र की स्थिति लेकर इस दायरे में कितनी मायूसी छायी रही है। यह भावना जवाबदेही तय करने वाली संस्थाओं के पंगु होने और लोकतांत्रिक अधिकारों के सिकुड़ते जाने की धारणा से पैदा हुई है। कॉकरोच आंदोलन दरअसल, इन सबसे ही गहराती हताशा एवं बढ़ते आक्रोश की सामूहिक अभिव्यक्ति का जरिया बना।

इस दौरान दिखी खासकर युवा वर्ग की उत्साही भागीदारी एवं जोश भरी प्रतिक्रियाओं ने कुछ ठोस संकेत दिए। मसलन, यह कि हवाई कथानकों के जरिए जमीनी नाकामियों को छिपाने में सत्ता पक्ष को मिली कामयाबियों का दौर अब ठहर चुका है। अवसरहीनता और अंधकारमय भविष्य से जूझ रही नई पीढ़ी 'अतीत के गौरव की वापसी', 'विकसित भारत', या 'विश्व गुरु' जैसी कहानियों से प्रभावित नहीं है। वह नरेंद्र मोदी सरकार से उसके 12 साल के कार्यकाल का हिसाब मांग रही है। इस अर्थ में कहा जा सकता है कि नैरेटिव कंट्रोल की मोदी की क्षमता पहली बार चूकती नज़र आई। मध्य एवं उच्च मध्यम वर्ग से आए पढ़े-लिखे एवं नई संचार तकनीक के इस्तेमाल में माहिर नौजवानों ने जो किताबों में पढ़ा और सरकारी प्रचार-तंत्र से सुना, उसका परीक्षण वे हकीकत के बरक्स कर रहे हैं।

इससे लोकतांत्रिक पहल का नया दरवाजा खुला है। लेकिन हमें सचेत रहना चाहिए कि अक्सर स्वत:स्फूर्त, असंगठित, एवं नेतृत्व-विहीन आंदोलन ऐसा अवसर पैदा करने के बाद बिखराव का शिकार हो जाते हैं। ऐसे अवसरों का लाभ उठाने का दायित्व संगठित राजनीतिक दलों पर होता है। फिलहाल, इस बिंदु पर आशाजनक संकेत नहीं हैं। इसलिए कि नई पीढ़ी के आंदोलन से उपजी संभावना को उम्मीद जगाने वाले जिस एजेंडे से राजनीतिक पूंजी में तब्दील किया जा सकता है, भाजपा विरोधी दलों में वैसा करने की क्षमता या जज्बे का अभाव नजर आता है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

दुर्ग के श्रमायुक्त कार्यालय पहुंचे डॉ. सिंह

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन श्रम विभाग के छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ रामप्रताप सिंह का सहायक श्रमायुक्त कार्यालय दुर्ग आगमन हुआ। उन्होंने कार्यालय के सभी अधिकारी कर्मचारियों से मुलाकात की और श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी अधिकारी और कर्मचारियों से लिया। उन्होंने कहा कि श्रमिक वर्ग के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही हैं। श्रमिकों के लिए अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना प्रारंभ की गई है, जिसमें प्रथम दो बच्चों को छठवीं से लेकर 12वीं तक आवास विद्यालय में गुणवत्ता निशुल्क शिक्षा प्रदान किया जाता है। ग्रामीण क्षेत्र में शिविर लगाकर श्रमिक पंजीयन करने से उन्हें शासन के योजनाओं का लाभ मिलेंगे।

दिव्यांगजन छात्रवृत्ति योजना के लिए 30 सितंबर तक आवेदन

भिलाई। राज्य सरकार की दिव्यांगजन छात्रवृत्ति योजना को अब पूरी तरह ऑनलाइन कर दिया गया है। समाज कल्याण संचालनालय, छत्तीसगढ़ द्वारा योजना को भारत सरकार के नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल (एनएसपी) पर ऑनबोर्ड कर दिया गया है। अब दिव्यांग विद्यार्थियों को आवेदन से लेकर छात्रवृत्ति की राशि प्राप्त करने तक की संपूर्ण प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से पूरी करनी होगी। योजना के अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों के बैंक खातों में छात्रवृत्ति की राशि सीधे डीबीटी के माध्यम से जमा की जाएगी। समाज कल्याण के उपसंचालक एपी गौतम से प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिव्यांगजन छात्रवृत्ति योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन 07 जुलाई 2026 से प्रारंभ हो चुकी हैं। पात्र छात्र-छात्राएं 30 सितंबर 2026 तक नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

नकरात्मक विचारों से हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है : डॉ हंसा रावल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जिसका नसीब स्वयं भगवान ने बनाया है वह है ही सदा खुश नसीब हमारा एक सकारात्मक संकल्प दुनिया की परिस्थितियों से शक्तिशाली है सब कुछ संभव है असंभव शब्द को अपने जीवन से हटा दीजिए। यह बातें ब्रह्माकुमारी के अमेरिका स्थित टेक्सास सेवा केंद्रों की निदेशिका एवं अमरीकी सेना से एमडी चिकित्सा अधिकारी रहीं ब्रह्माकुमारी डॉ हंसा रावल ने बताई।

उन्होंने बताया कि अस्पताल में बोल दिया कि कोई रास्ता नहीं है आप पेशेंट को घर ले जाइए ऐसे टर्मिनेशन वाले पेशेंट को मन से स्ट्रांग होने की 5 दिनों की शुभ भावना की ट्रेनिंग से आपने मरीजों का मनोबल बढ़ाकर उन्हें कैंसर जैसे असाध्य और अनेकों बीमारियों से मुक्त किया है। दुख का चिंतन बंद कर शुभ भावना, शाकाहारी भोजन थोड़ी एक्सरसाइज , मन को बिजी रखने का प्लान से आप स्वस्थ हो सकते हैं। उन्होंने बताया की बीमारी के बारे में बोलना तो दूर सोचना भी नहीं

है क्योंकि यही बीमारी का कारण बनता है, आत्मा एक-एक संकल्प को पकड़ लेती है नेगेटिव विचारों से हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है, इसीलिए कहते हैं कि दिल को मत दिखाओ।

ब्रह्माकुमारीज का सुंदर स्लोगन है सुख दो सुख लो, मुख से संकल्प से दुख देना पाप कर्म है। हम दुख देते नहीं है लेकिन दूसरों से दुख ले लेते हैं। ज्यादा मत सोचो निर्संकल्प होकर परमात्मा को सब सौंप कर सोए। किसी से शिकायत न करें अपनी जो भी बीमारी हैं भगवान और सिर्फ डॉक्टर को बताएं और किसी तीसरे को नहीं दोनों एक्सपर्ट है।

डां. हंसा के साथ आए ब्रह्माकुमार मार्क भाई ने छत्तीसगढ़या सबले बढ़िया स्लोगन से शुरू करते हुए कहा कि भारत में वह सामर्थ्य है जो विश्व को रहा दिखाएगा भारत ही देवी भूमि है जहां परमात्मा का अवतरण होता है। भिलाई सेवा केंद्र की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा दीदी जी ने हृदय पूर्वक डॉ हंसा दीदी और ब्रह्माकुमार मार्क भाई का स्वागत किया। डिवाइन ग्रुप के बच्चों ने सुंदर नृत्य नाटिका से ब्रह्माकुमारी हंसा दीदी का जीवन परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का सुंदर मंच संचालन वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी प्राची ने किया।

नाबालिग वाहन चालकों की भागीदारी से बढ़ रहे सड़क, पालकों का जागरुक होना जरूरी

■ **ऑपरेशन विश्वास के तहत यातायात पुलिस द्वारा एसएनजी स्कूल, सेक्टर-4 में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। ऑपरेशन विश्वास के तहत यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा एसएनजी स्कूल, सेक्टर-4 भिलाई में नाबालिक की सुरक्षा,परिजनों, स्कूल प्रबंधक, हेतु यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला परिवहन अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, पेरेंट्स यूनियन, BSP के अधिकारी , एक्स आर्मी संगठन के अध्यक्ष, स्कूल के प्रिंसिपल, प्रेस मिडिया के लोग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक कार्यक्रम में शामिल हुए।

कार्यक्रम का शुरुवात में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) कौशलेन्द्र देव पटेल ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में नाबालिग वाहन चालकों की बढ़ती भागीदारी अत्यंत गंभीर विषय है। इसी उद्देश्य से यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा पिछले एक 05 दिनों से लगातार ऑपरेशन विश्वास संचालित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत न केवल वैधानिक कार्यवाही की जा रही है बल्कि व्यापक जनजागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विगत 05 दिनों में लगभग 2,000 नाबालिग वाहन चालकों की जांच की गई, जिनमें 95 मामलों में मोटरयान अधिनियम के तहत वैधानिक कार्यवाही की गई। इसके साथ ही 21 विद्यालयों में लगभग 15,000 विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की जानकारी देकर जागरूक किया गया।

सुरक्षा नियमों का पालन न करना एक बड़ी वजह

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से विद्यार्थियों को सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का महत्व, स्कूल बसों के सुरक्षा नियम, नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने के कानूनी प्रावधान, अभिभावकों की जिम्मेदारी तथा विद्यालय प्रबंधन की भूमिका के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जब तक बच्चा विधिक रूप से वाहन चलाने के योग्य न हो जाए एवं उसके पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस न हो, तब तक उसे किसी भी स्थिति में वाहन नहीं दिया जाना चाहिए।

पुलिस द्वारा संचालित विभिन्न अभियानों की दी जानकारी

कार्यक्रम में उपस्थित उप पुलिस अधीक्षक भारती मरकाम ने विद्यार्थियों को पिंक पेट्रोलिंग, महिला सुरक्षा, आपातकालीन सहायता व्यवस्था तथा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा हेतु पुलिस द्वारा संचालित विभिन्न अभियानों की जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस से संपर्क करने की अपील की। इसके पश्चात उप निरिक्षक डॉ. संकल्प राय ने साइबर सुरक्षा विषय पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव, साइबर अपराधों की पहचान, डिजिटल सुरक्षा के महत्वपूर्ण उपाय बताए।

आरटीओ ने की ऑपरेशन विश्वास की सराहना

कार्यक्रम में उपस्थित जिला परिवहन अधिकारी मृतुन्जय देव पटेल द्वारा ने भी यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा संचालित ऑपरेशन विश्वास की सराहना करते हुए इसे बच्चों के सुरक्षित भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण पहल बताया। और लाइसेंस बनाने के नियम में होने वाले बदलाव, स्कूल बस की परमिट नियमों और अन्य जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में उप पुलिस अधीक्षक (यातायात) श्री विशाल सोम द्वारा आभार व्यक्त किया गया। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपील की कि वे अपने नाबालिग बच्चों कोवाहन चलाने के लिए वाहन उपलब्ध न कराएं।

कलेक्टर सिंह ने किया केंद्रीय जेल का आकस्मिक निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला कलेक्टर एवं दण्डाधिकारी अभिजीत सिंह ने शनिवार को केन्द्रीय जेल दुर्ग का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जेल में निरुद्ध पुरुष बंदी 2273 एवं महिला बंदी 134 (05 बच्चे सहित) लॉकअप में रहे। जेल परिसर भ्रमण के दौरान उन्होंने कल्याण शाखा, उद्योग शाखा, जेल अस्पताल, कम्प्यूटर प्रशिक्षण, एलईडी बल्ब उद्योग, नव निर्मित बैरक एवं अस्पताल भवन, पाकशाला, नवीन जेल, प्रिजनर कॉलिंग, एमसीयू कक्ष, विडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष, मुलाकात कक्ष, निर्वाह शाखा, विधि शाखा, वारंट शाखा, लेखा शाखा, सीसीटीवी कक्ष तथा महिला प्रकोष्ठ का बारीकी से अवलोकन किया। वारंट शाखा में विचाराधीन एवं कैदी वारंटों का जायजा लेते हुए उन्होंने विचाराधीन प्रकरणों में सुनवाई हेतु बंदियों की अधिक से अधिक पेशी वर्चुअल माध्यम से कराए जाने के निर्देश दिए।

जेल अधीक्षक मनीष संभाकर ने बताया कि बंदियों द्वारा निर्मित सामग्रियों को विभिन्न जेलों, न्यायालयों सहित अन्य विभागों को उनकी मांग के आधार पर निर्धारित दर पर उपलब्ध कराया जाता है। इस पर कलेक्टर श्री सिंह ने बंदियों द्वारा निर्मित सामग्रियों की अधिकाधिक बिक्री सुनिश्चित करने हेतु अधीक्षक को आवश्यक सुझाव दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने जेल द्वारा संचालित गौशाला का भी अवलोकन किया। इस दौरान उप जेल अधीक्षक (उद्योग) अशोक कन्नौजिया निर्धारित समय पर उपस्थित नहीं मिले, जिस पर कलेक्टर ने नाराजगी जाहिर करते हुए उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर सोनाल डेविड, एसडीएम दुर्ग शहर प्रफुल्ल कुमार गुप्ता उपस्थित रहे।

बिना भेद भाव के हो रहा रिसाली में विकास: विधायक ललित

■ **1 करोड़ 97 लाख 08 हजार के विकास कार्यों का भूमिपूजन**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली के वार्ड क्र. 22 मैत्रीकुंज, 23 प्रगतिनगर रिसाली, 24 आजाद मार्केट, 25 आशीष नगर में विकास कार्य आरंभ कराने दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर और महापौर शशि सिन्हा पहुंची। उन्होंने 01 करोड़ 97 लाख 08 हजार का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ने कहा कि रिसाली निगम क्षेत्र में बिना भेद भाव के कार्य स्वीकृत कराया गया और वें कार्य आरंभ कराने प्रत्येक वार्ड तक पहुंच रहे है।

उन्होंने कहा कि रिसाली में एक नई सोच और नया दिशा की कल्पना करके वें प्रत्येक वार्ड तक पहुंच रहे है। भूमिपूजन कार्यक्रम की शुरूआत पुरैना से शुरू कर शनिवार को चार पॉश कॉलोनी तक पहुंचे है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता सबसे बड़ी है। वे पार्षद से लेकर महापौर, विधायक व सांसद के रूप में प्रतिनिधि चुनते है। यही प्रतिनिधि विकास कार्य के लिए एक महज माध्यम बनते है। क्षेत्र में जितने भी विकास कार्य हो रहे है वो आमजनों की मांग रहती है। यही कारण है कि आज भूमिपूजन के अवसर पर सारे विकास कार्य जनता को समर्पित कर रहे है। इस अवसर पर महापौर शशि सिन्हा ने कहा कि विधायक जी विकास कार्य करा रहे है। उनके लिए उन्हें रिसाली निगम बधाई देता है।

नागरिकों ने किया अभिनंदन

वार्ड 25 आशीष नगर के सड़क 15 ए में नागरिकों ने विधायक व महापौर का अभिनंदन किया। नागरिकों ने 21 किलो वजनी गेंदे की माला पहना कर शाल भेंट की। इसी तरह वार्ड 23 प्रगतिनगर में वरिष्ठ नागरिकों ने विधायक व महापौर का नागरिक अभिनंदन किया।

यहां होंगे विकास कार्य

वार्ड 22 मैत्रीकुंज में पॉथवे निर्माण, नाली निर्माण, सड़क चैड़ीकरण और सौंदर्यीकरण के लिए विधायक व महापौर ने 53.58 लाख का भूमिपूजन किया। वार्ड 23 में 60.44 लाख, वार्ड 24 में 32.77 लाख तथा वार्ड 25 में 50.29 लाख का भूमिपूजन किया गया।

दुर्ग में स्मार्ट पंजीयन कार्यालय का शुभारंभ कल

■ **मंत्री ओपी चौधरी करेंगे नवीन स्मार्ट पंजीयन कार्यालय का उद्घाटन, रजिस्ट्री होगी आसान**

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रदेश में पंजीयन सेवाओं को अधिक अत्याधुनिक, पारदर्शी एवं नागरिक-केंद्रित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत सोमवार, 3 अगस्त 2026 को दुर्ग में अत्याधुनिक स्मार्ट पंजीयन कार्यालय का शुभारंभ किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री श्री गजेन्द्र यादव करेंगे, जबकि वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

जिला पंजीयक प्रियंका श्रीरंगे से मिली जानकारी अनुसार स्मार्ट पंजीयन कार्यालय के

शुभारंभ के साथ दुर्ग संभाग के नागरिकों को तकनीक आधारित, त्वरित एवं पारदर्शी पंजीयन सेवाओं का लाभ मिलेगा। कार्यालय में संपूर्ण पंजीयन प्रक्रिया डिजिटल होगी, जिसके अंतर्गत ई-अपॉइंटमेंट, डिजिटल फोटोग्राफी, डिजिटल हस्ताक्षर, बायोमेट्रिक सत्यापन, उच्च गुणवत्ता की दस्तावेज़ स्कैनिंग तथा सुरक्षित डिजिटल अभिलेखीकरण जैसी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध रहेंगी। पंजीकृत दस्तावेज़ों की प्रमाणित प्रति सीधे व्हाट्?सएप पर प्राप्त होगी तथा स्टाम्प शुल्क एवं पंजीयन शुल्क का भुगतान यूपीआई, नेट बैंकिंग अथवा कार्ड के माध्यम से कैशलेस तरीके से किया जा सकेगा।

उल्लेखनीय है कि कार्यालय में स्वत: नामांतरण की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। इस व्यवस्था के माध्यम से भूमि पंजीयन के साथ ही राजस्व अभिलेखों में क्रेता का नाम स्वत: दर्ज हो जाएगा। इससे अलग से नामांतरण के लिए आवेदन करने की आवश्यकता नहीं रहेगी तथा नागरिकों के समय एवं श्रम दोनों की बचत होगी। नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कार्यालय में वातानुकूलित एवं सुव्यवस्थित प्रतीक्षालय, डिजिटल टोकन प्रणाली, हेल्प डेस्क, नि:शुल्क वाई-फाई, स्वच्छ पेयजल, आधुनिक शौचालय, सीसीटीवी निगरानी तथा दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएँ उपलब्ध रहेंगी। इन व्यवस्थाओं के माध्यम से रजिस्ट्री की पूरी प्रक्रिया लगभग 15 से 20 मिनट में पूर्ण की जा सकेगी, जिससे पंजीयनार्थियों को तेज, सहज एवं बेहतर सेवा अनुभव प्राप्त होगा।

व्यापार, युवा एवं स्वावलंबन को नई दिशा देगा चेम्बर का वार्षिक अभियान

■ **भिलाई चेंबर ने प्रेसवार्ता में सालभर के आयोजनों की रूपरेखा बताई**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, भिलाई एवं स्वावलंबी भारत अभियान के संयुक्त तत्वावधान में वर्ष 2026 के शेष महीनों में व्यापार, उद्योग, युवा जागरूकता एवं स्थानीय बाजारों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से विभिन्न जनहितैषी कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी। यह आयोजन प्रदेश महामंत्री अजय भसीन व भिलाई चेम्बर अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्रा के नेतृत्व में आयोजन सम्पन्न होंगे। अजय भसीन ने इन आयोजनों का उद्देश्य व्यापारियों के हितों की रक्षा, युवाओं को स्वावलंबन के लिए प्रेरित करना तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना है।

अभियान की शुरुवात हो चुकी है। 16 जुलाई से कर्मकार व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ हुआ था आज इस शिविर का द्वितीय सत्र का समापन हुआ।इस शिविर में विभिन्न प्रतिष्ठान के कर्मकारो ने प्रशिक्षण लिया। इस अभियान की शुरुआत अगस्त माह से होगी। 22 अगस्त से 2 अक्टूबर तक शहर के 10 स्कूलों एवं 10 महाविद्यालयों में ज़िंदगी न मिलेगी दोबारा विषय पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के वक्ता विद्यार्थियों को स्वावलंबन, भारतीय संस्कार, नैतिक जिम्मेदारी, व्यक्तित्व विकास, राष्ट्र निर्माण तथा जीवन में सही दिशा के महत्व पर प्रेरक विचारों से अवगत कराएंगे। इसका उद्देश्य युवाओं को जागरूक, जिम्मेदार एवं आत्मनिर्भर नागरिक बनाना है।

अहमदाबाद के अध्ययन भ्रमण पर जाएंगे 30 युवा

इसी क्रम में देश के भविष्य माने जाने वाले Ge.n Z वर्ग के 30 चयनित युवाओं को 17 अगस्त से 23 अगस्त तक अहमदाबाद के अध्ययन भ्रमण पर ले जाया जाएगा। इस यात्रा के दौरान उन्हें भविष्य के व्यापार एवं उद्योग, नवाचार, स्टार्टअप, आधुनिक तकनीक तथा उद्यमिता के नए अवसरों की जानकारी दी जाएगी, जिससे वे आने वाले समय की चुनौतियों और संभावनाओं को समझ सकें।

अक्टूबर में होगा कर्मकार महोत्सव का आयोजन

अक्टूबर माह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कर्मकार महोत्सव आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर ऐसे 25 कर्मकारों का सम्मान किया जाएगा, जिन्होंने एक ही प्रतिष्ठान में 25 वर्षों से अधिक समय तक निष्ठा, समर्पण और ईमानदारी के साथ सेवाएं दी हैं। यह सम्मान कर्मकारों के योगदान को समाज के सामने सम्मानपूर्वक प्रस्तुत करने का प्रयास होगा।

नवंबर में आया त्योहार चलो बाजार कैंपेन

नवंबर माह में दीपोत्सव के अवसर पर आया त्योहार, चलो बाज़ार अभियान आयोजित किया जाएगा। इस अभियान के माध्यम से आमजन को स्थानीय बाजारों से खरीदारी करने, स्थानीय व्यापारियों को प्रोत्साहित करने तथा ऑनलाइन खरीदारी पर अत्यधिक निर्भरता कम करने का संदेश दिया जाएगा। अभियान का उद्देश्य वोकल फॉर लोकल की भावना को मजबूत करना है। चेंबर ने सभी व्यापारियों, उद्योगपतियों व लोगों से इन आयोजनों में भाग लेने का अनुरोध किया।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

कार्टून कैनवास पर उभरेगा नए बस्तर का स्वरूप

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का बस्तर अंचल विकास, विश्वास और नई संभावनाओं की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। बस्तर की इसी बदलती तस्वीर, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक सौंदर्य को रचनात्मक कला के माध्यम से प्रस्तुत करने के उद्देश्य से 'मुस्कुराता बस्तर' कार्टून कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग के सहयोग से देश की एकमात्र मासिक कार्टून पत्रिका 'कार्टून वॉच' द्वारा 03 अगस्त को जगदलपुर में स्कूली विद्यार्थियों के लिए इस विशेष कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। कार्यशाला में विद्यार्थियों को कार्टून और कैरिकेचर कला की तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही उन्हें यह बताया जाएगा कि किस प्रकार कला के माध्यम से समाज, संस्कृति और विकास के सकारात्मक संदेशों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जा सकता है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के विजन के अनुरूप बस्तर आज अपनी नई पहचान बना रहा है। प्राकृतिक संपदा, जनजातीय संस्कृति, लोक परंपराओं और पर्यटन स्थलों से समृद्ध बस्तर विकास की नई कहानी लिख रहा है।

सहकारी समितियां बनेंगी ग्रामीण सेवाओं का मजबूत केंद्र

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और सहकारिता मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार राज्य सरकार सहकारिता व्यवस्था को मजबूत, आधुनिक और किसान हितैषी बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। इसी क्रम में सहकारिता विभाग के सचिव श्री सी.आर. प्रसन्ना ने रायगढ़ जिले की प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति (पैक्स) कोतरा का औचक निरीक्षण किया और किसानों को दी जा रही सुविधाओं तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं की समीक्षा की। रायगढ़ जिले के निरीक्षण के दौरान प्रसन्ना ने समिति के रिकॉर्ड, भंडारण व्यवस्था, किसानों को मिल रही सेवाओं और सहकारी गतिविधियों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि पैक्स को केवल ऋण वितरण तक सीमित न रखकर बहुउद्देशीय ग्रामीण सेवा केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि किसानों को कृषि से जुड़ी अधिकतर सुविधाएं एक ही स्थान पर मिल सकें।

महतारी सदन से महिला स्व-सहायता समूहों को मिला स्थायी मंच

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले के केरसई में निर्मित महतारी सदन महिला स्व-सहायता समूहों के लिए सशक्तिकरण का प्रभावी केंद्र बनकर उभरा है। इस भवन के निर्माण से महिलाओं को समूह की नियमित बैठकों, आजीविका गतिविधियों तथा सामाजिक कार्यक्रमों के संचालन के लिए सुरक्षित, सुविधाजनक और स्थायी स्थान उपलब्ध हुआ है। महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती बबीता गुप्ता ने बताया कि पहले समूह की बैठक आयोजित करने के लिए उपयुक्त स्थान नहीं होने से काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। विशेष रूप से बारिश और गर्मी के मौसम में बैठकों का संचालन प्रभावित होता था, जिससे समूह की गतिविधियों पर भी असर पड़ता था। उन्होंने बताया कि महतारी सदन बनने के बाद अब सभी सदस्य नियमित रूप से एक ही स्थान पर बैठक कर रही हैं। यहां समूह की बचत, ऋण, आजीविका गतिविधियों, प्रशिक्षण तथा अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर व्यवस्थित ढंग से चर्चा होती है।

डिजिटल सुशासन की नई मिसाल बना 'सेवा सेतु', मंत्री टंक राम वर्मा ने हितग्राहियों को वितरित किए डिजिटल जाति प्रमाण पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की डिजिटल सुशासन नीति से प्रदेश में आम नागरिकों को शासकीय सेवाओं का त्वरित और पारदर्शी लाभ मिलना शुरू हो गया है। इसी कड़ी में धमतरी जिले में 'सेवा सेतु' पोर्टल के माध्यम से 441 से अधिक शासकीय सेवाएं एक ही एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे नागरिकों को अब सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने से बड़ी राहत मिली है।

धमतरी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने सेवा सेतु पोर्टल के ज़रिए ऑनलाइन जारी किए गए जाति प्रमाण पत्र हितग्राहियों को सौंपे। इस अवसर पर उन्होंने पारदर्शी और समयबद्ध सेवा वितरण प्रणाली की सराहना की।

नागरिक-केंद्रित सोच का प्रभावी उदाहरण

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि सेवा सेतु पोर्टल राज्य सरकार की नागरिक-केंद्रित सुशासन सोच का जीवंत उदाहरण है। डिजिटल तकनीक के इस उपयोग से शासन और आम जनता के बीच की दूरी समाप्त हो रही है, जिससे हर नागरिक तक शासकीय सेवाएं पूरी पारदर्शिता, त्वरित गति और जवाबदेही के साथ पहुँच रही हैं।

एक ही छत के नीचे 441 से अधिक शासकीय सेवाएं

सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से विभिन्न प्रमुख विभागों की डिजिटल सेवाएं आम जनता के लिए बेहद सरल बना दी गई हैं। राजस्व एवं प्रमाण पत्र सेवाओं के तहत आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र, नामांतरण और भू-अभिलेख से जुड़ी सेवाएं दी जा रही है। सामाजिक एवं नागरिक सेवाओं के तहत विवाह पंजीयन, नाम में संशोधन और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के आवेदनों का निराकरण किया जा रहा है। इसी तरह श्रम एवं अन्य विभागों से जुड़ी प्रक्रियाएं पूरी की जा रही है।

समय और धन दोनों की बचत

सेवा सेतु पोर्टल में नागरिकों की सुविधा के लिए ऑनलाइन आवेदन ट्रैकिंग और निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवेदनों के निराकरण की पारदर्शी व्यवस्था की गई है। इस नई व्यवस्था से जहां आम नागरिकों के समय और धन दोनों की बचत हो रही है, वहीं पूरी प्रशासनिक कार्यप्रणाली अधिक प्रभावी और जवाबदेह बनी है।

निगम के पांच वार्डो को मिली 76 लाख रूपए के विकास कार्यो की सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम कोरबा के वार्ड क्र. 61, 63, 64, 65 एवं 66 को आज शनिवार को 76 लाख रूपये के विकास कार्यो की सौगात प्राप्त हुई। प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, सार्वजनिक उपक्रम व आबकारी मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के दौरान साढ़े 36 लाख रूपये के विकास कार्यो का लोकार्पण किया गया, तो वहीं साढ़े 39 लाख रूपये के विकास कार्यो का भूमिपूजन उनके करकमलों से सम्पन्न हुआ।

नगर पालिक निगम केरबा द्वारा वार्ड क्र. 65 भैरोताल के अंतर्गत 16 लाख 58 हजार रूपये की लागत से शासकीय माध्यमिक शाला में नवीन भवन एवं शौचालय का निर्माण कराया गया है, तो वहीं वार्ड क्र. 66 पंखादफाई अंतर्गत 20 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ है। आज आयोजित कार्यक्रम के दौरान उद्योग मंत्री देवांगन एवं महापौर श्रीमती राजपूत ने इन नवनिर्मित दोनों विकास कार्यो को जनता जनार्दन की सेवा में समर्पित किया।

इसी प्रकार वार्ड क्र. 65 भैरोताल में 11 लाख 50 हजार रूपये की लागत से दुर्गा मंदिर परिसर, छत निर्माण एवं कांक्रीट कार्य, वार्ड क्र. 61 खम्हरिया में संतलाल घर के पास 05 लाख रूपये की लागत से सांस्कृतिक मंच निर्माण, वार्ड क्र. 63 कुसमुण्डा प्रोजेक्ट एम.एस. में 01 लाख 81 हजार रूपये की लागत से बालक-बालिका शौचालय निर्माण, वार्ड क्र. 63 अंतर्गत 08 लाख 07 हजार रूपये की लागत से वालबाड़ी अतिरिक्त कक्ष, पी.एस. कुसमुण्डा प्रोजेक्ट निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 64 इमलीछापर परसाभांठा में अमरसाय घर के पास 05 लाख रूपये की लागत से मंच निर्माण तथा वार्ड क्र. 65 आनंदनगर नवधा पण्डाल के पास 08 लाख रूपये की लागत से मंच व शेड का निर्माण किया जाना हैं, आज इन सभी विकास कार्यो का भूमिपूजन उद्योग मंत्री श्री देवांगन एवं महापौर श्रीमती राजपूत के हाथों किया गया।

मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि विगत कुछ वर्षो से प्रदेश का विकास थम गया था किन्तु पिछले ढाई वर्षो से मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने राज्य में विकास को पुन: गति व दिशा दी हैं तथा हमारा छत्तीसगढ़ राज्य नई ऊर्जा के साथ विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। एक ओर जहाँ प्रदेश में उद्योग, धंधे बढ़ रहे हैं, रोजगार बढ़ रहा है, अधोसंरचना विकास के कार्य हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर केन्द्र व राज्य सरकार की दर्जनों जनकल्याणकारी व गरीब हितैषी योजनाओं का सफल क्रियान्वयन कर गरीब, निर्धन परिवारों का जीवन स्तर ऊंचा उठाया जा रहा है।

इस अवसर पर महापौर संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि नगर निगम क्षेत्र के सभी वार्डो में व्यापक स्तर पर विकास कार्य संपादित हो रहे हैं तथा विकास कार्यो के लिये धनराशि की कोई कमी नहीं हो रही, उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तथा उप मुख्यमंत्री अरूण साव के आशीर्वाद से उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन विभिन्न मदों से लगातार नये-नये विकास कार्य स्वीकृत करा रहे हैं तथा विभिन्न मदों के अंतर्गत विगत ढाई वर्षो में निगम क्षेत्र में लगभग 01 हजार करोड़ रूपये के विकास कार्य उनके द्वारा स्वीकृत कराये जा चुके हैं। उन्होने उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुये कहा कि आप सबने हमें अपना भरपूर आशीर्वाद दिया है।

छत्तीसगढ़ का हो रहा तेजी से विकास

इस अवसर पर दिये गये अपने उद्बोधन में उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्राप्त हो रहे लगातार मार्गदर्शन में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अगुवाई में राज्य सरकार छत्तीसगढ़ का तेजी से विकास कर रही है। उन्होने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने 12 वर्षो के कार्यकाल में देश को विकास की नई ऊंचाईयों तक पहुंचाया है तथा उन्ही के मार्गदर्शन में हमारा छत्तीसगढ़ भी लगातार सज संवर रहा है। उन्होने कहा कि 15 वर्षो तक डॉ.रमन सिंह छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री थे, उन्होने जब छत्तीसगढ़ की कमान संभाली उस समय प्रदेश की स्थिति ठीक नही थी, किन्तु उन्होने छत्तीसगढ़ राज्य का तेजी से विकास किया तथा छत्तीसगढ़ के विकास पुरूष कहलायें।

आधार सेवा केंद्र बना ग्रामीणों के लिए भरोसे का आधार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य शासन द्वारा नागरिक सेवाओं को सरल, सुलभ और पारदर्शी बनाने के लिए संचालित आधार सेवा केंद्र अब ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों के जीवन में वास्तविक बदलाव ला रहे हैं। दंतेवाड़ा जिले के ग्राम तोयलंका की निवासी आयते की कहानी इसका प्रेरक उदाहरण है, जिनकी वर्षों पुरानी आधार संबंधी समस्या का समाधान होने से उन्हें शासकीय योजनाओं का लाभ फिर से मिलने लगा है।आयते लंबे समय से आधार कार्ड अपडेट नहीं होने के कारण परेशान थीं। आधार निष्क्रिय होने से उन्हें पेंशन, राशन और अन्य शासकीय सेवाओं का लाभ प्राप्त करने में लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। कई बार प्रयास करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो पाने से वे निराश हो चुकी थीं।

इसी बीच उन्हें जानकारी मिली कि जिला कलेक्ट्रेट परिसर में आधार सेवा केंद्र संचालित किया जा रहा है, जहां आधार संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाता है। जानकारी मिलते ही वे सेवा केंद्र पहुंचीं और अपनी समस्या अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बताई।

जांच में पता चला कि लंबे समय से ई-केवाईसी नहीं होने के कारण उनका आधार निष्क्रिय हो गया था। सेवा केंद्र के कर्मचारियों ने आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन कर उनकी ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी कराई और आधार को पुन: सक्रिय कर दिया। पूरी प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरी की गई।

आधार पुन: सक्रिय होने के बाद श्रीमती आयते को अब पेंशन, राशन और विभिन्न सामाजिक सुरक्षा एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलने का रास्ता साफ हो गया है। उन्होंने जिला प्रशासन और आधार सेवा केंद्र के कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सुविधा ने उनकी वर्षों पुरानी समस्या का समाधान कर दिया और उनके जीवन में नई उम्मीद जगाई है।

राज्य शासन की मंशा है कि हर नागरिक को बिना अनावश्यक परेशानी के शासन की योजनाओं और सेवाओं का लाभ मिले। आधार सेवा केंद्रों के माध्यम से राज्य के विभिन्न जिलों में ई-केवाईसी, बायोमेट्रिक अपडेट, मोबाइल नंबर अपडेट और आधार सक्रियण जैसी सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे नागरिकों को सरकारी योजनाओं तक पहुंच आसान हो रही है।

स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने व्यापक अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में स्वच्छता को जनभागीदारी से जोड़कर जनआंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में सूरजपुर जिले में व्यापक स्वच्छता अभियान संचालित किया जा रहा है। कलेक्टर रेना जमील के निर्देश में स्वच्छता ही सेवा अभियान, सामूहिक श्रमदान और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की गतिविधियां एक साथ संचालित की जा रही हैं।

अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायत ओड़गी और रामानुजनगर के सभी ग्राम पंचायतों में सामूहिक श्रमदान किया गया। ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों, पंचायत सचिवों, स्वच्छता कर्मियों और ग्रामीणों ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए स्कूल भवनों, आंगनबाड़ी केंद्रों, पंचायत भवनों तथा अन्य शासकीय परिसरों की साफ-सफाई की। सामूहिक श्रमदान के माध्यम से स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण का संदेश भी दिया गया।

इसी क्रम में जनपद पंचायत ओड़गी और रामानुजनगर के कार्यालय परिसरों तथा आसपास के सार्वजनिक स्थलों में भी विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अधिकारियों और कर्मचारियों ने श्रमदान कर कचरा एकत्रित किया और उसके समुचित निस्तारण की व्यवस्था सुनिश्चित की। इस दौरान लोगों से घर, कार्यालय

और सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने तथा कचरे के उचित प्रबंधन की अपील की गई।

सूरजपुर जिले में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान प्रारंभ किया गया है। प्रथम चरण में 58 ग्राम पंचायतों को शामिल किया गया है, जहां स्वच्छता दीदियां और पंचायत सचिव घर-घर पहुंचकर चार रंग के डस्टबिन के उपयोग तथा स्रोत स्तर पर कचरा पृथक्करण की जानकारी दे रहे हैं।

कृषि और मत्स्य पालन के संगम से संवरेगी ग्रामीण आजीविका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खेती के साथ-साथ मछली पालन, पशुपालन या बागवानी करने से खेत की एक ही जमीन से कई गुना अधिक मुनाफा कमाया जा सकता है।किसानों को मत्स्य पालन इकाइयों पर सरकार द्वारा आर्थिक सहायता दी जाती है।

धमतरी जिले में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और किसानों तथा मत्स्य पालकों की आय दोगुनी करने के उद्देश्य से एक बड़ी पहल की गई है। 'VB-G RAM G' कार्यक्रम के तहत जिला पंचायत सीईओ ने कृषि, मत्स्य पालन और ग्रामीण विकास विभाग की एक कार्यशाला आयोजित की।

इसमें विभागीय कन्वर्जेंस (अभिसरण) के जरिए जल संसाधनों के वैज्ञानिक उपयोग और आजीविका के नए साधन विकसित करने की ठोस रणनीति बनाई गई।

आजीविका डबरी योजना के तहत एबिस के ष्टस्क्के सहयोग से जिले के 100 चयनित फार्म पॉन्ड को विकसित किया जाएगा। इनमें पारंपरिक इंडियन मेजर कार्प के साथ-साथ उच्च मुनाफा देने वाले झींगा पालन को बढ़ावा मिलेगा। जिले की मत्स्य समितियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्टोरेज (भंडारण) क्षमता बढ़ाने, कोल्ड चेन और बेहतर मार्केट लिंकेज विकसित करने पर सहमति बनी । **तकनीकी नवाचार और त्वरित क्रियान्वयन:** स्वतंत्रता दिवस को आयोजित होने वाली ग्राम सभाओं में नई आजीविका डबरियों, तालाबों के निर्माण और मत्स्य भंडारण अधोसंरचना के प्रस्तावों को प्राथमिकता से शामिल किया जाएगा। सभी मत्स्य सहकारी समितियों को 15 अगस्त तक ऋण संबंधी प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि उन्हें समय पर वित्तीय मदद उपलब्ध कराई जा सके।

विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों का शत-प्रतिशत उपयोग संभव होगा। आधुनिक तकनीकों और वैज्ञानिक पद्धतियों से धमतरी को मत्स्य उत्पादन और जल प्रबंधन के क्षेत्र में राज्य का एक आदर्श मॉडल बनाया जाएगा।

कार्ययोजना को जमीनी स्तर पर तेजी से लागू करने के लिए अगले 10 दिनों के भीतर जिले के सभी विकासखंडों में ब्लॉक स्तरीय बैठकें आयोजित की जाएंगी। साथ ही विभागों, वैज्ञानिकों और मत्स्य समितियों के बीच रियल-टाइम संवाद के लिए एक समर्पित व्हाट्सएप ग्रुप भी गठित किया जा रहा है।

बैगलेस डे पर स्कूलों में सजी महापुरुषों और अमर शहीदों की प्रदर्शनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्कूल शिक्षा विभाग एवं राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा के निर्देशानुसार प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में शनिवार को आयोजित 'बैगलेस डे' के अवसर पर सूरजपुर जिला में महापुरुषों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, वीर शहीदों तथा समाज निर्माण में योगदान देने वाली महान विभूतियों के चित्रों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने पेंटिंग, स्क्रैच आर्ट और चित्रकारी के माध्यम से अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति और सामाजिक समरसता का संदेश दिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पुस्तकीय शिक्षा के साथ-साथ देश के इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन और महान व्यक्तित्वों के जीवन मूल्यों से जोड़ना रहा। विद्यालयों में आयोजित गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को यह प्रेरणा दी गई कि

महापुरुषों और स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा दिखाए गए आदर्शों का अनुसरण कर वे भी राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

आयोजित कार्यक्रमों में शहीद परिजनों, भूतपूर्व सैनिकों, समाजसेवियों, शिक्षाविदों तथा विभिन्न क्षेत्रों में सफल व्यक्तियों ने सहभागिता कर विद्यार्थियों से संवाद स्थापित किया। प्रतापपुर विकासखंड के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरहरी में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बाबू परमानंद कोसरिया के पुत्र श्री कमलेश कोसरिया तथा सीमा पर सेवा दे चुके भूतपूर्व सैनिक श्री शिवचरण नापित उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता आंदोलन के संघर्षों और बलिदानों से अवगत कराया।

शहीद परिजनों ने अपने संबोधन में बताया कि स्वतंत्रता संग्राम केवल राजनीतिक आंदोलन नहीं था, बल्कि यह राष्ट्र के स्वाभिमान और जनजागरण का अभियान था। उन्होंने स्वतंत्रता सेनानी गोकुल प्रसाद जी के जीवन प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि वे आर्य समाज और वंदे मातरम आंदोलन से जुड़े रहे तथा अंग्रेजी शासन के विरोध में सक्रिय भागीदारी के कारण उन्हें कारावास और यातनाएं सहनी पड़ीं, जहां उन्होंने 1 अप्रैल 1939 को अपने प्राणों का बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं।

रामानुजनगर विकासखंड के बालक माध्यमिक शाला रामानुजनगर में अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. अजय साहू, चार्टर्ड अकाउंटेंट श्री स्वयं गोयल तथा समग्र शिक्षा के अधिकारियों ने विद्यार्थियों द्वारा तैयार प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने बच्चों से संवाद करते हुए अपनी सफलता की कहानियां साझा कीं, जिससे विद्यार्थी प्रेरित हुए और उन्होंने अपने भविष्य के लक्ष्य एवं सपनों के बारे में उत्साहपूर्वक चर्चा की।

विद्यालयों में महापुरुषों और स्वतंत्रता सेनानियों पर आधारित चित्रकला एवं रचनात्मक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके साथ ही कई विद्यालयों में पोषण वाटिका के विस्तार, न्योता भोजन तथा अन्य सामुदायिक सहभागिता आधारित गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। समग्र शिक्षा के अधिकारियों ने बताया कि ष्बैगलेस डेष् प्रत्येक शनिवार आयोजित होने वाला सतत कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को रचनात्मक, अनुभवात्मक और गतिविधि आधारित शिक्षा से जोड़ना है।

समर में ब्लैक का टशन

समर में ऑल ब्लैक आउटफिट कैरी करने के बारे में सोच कर शायद आप को अजीब लगे लेकिन अगर हौलीवुड या बौलीवुड पार्टियों में सितारों के आउटफिट्स पर नजर डालें तो ब्लैक कलर हमेशा टौप पर है. अगर इसे आप स्टाइल और टशन के साथ कैरी करेंगी तो यह क्लासी लुक देता है. ब्लैक कलर के आउटफिट्स की भरमार न सिर्फ बौयज वार्डरोब में बल्कि कालेज गोइंगगर्ल्स का भी यह फेवरेट कलर है. ब्लैक गाउन का टशन सभी पार्टियों में छाया रहता है. यह हर रंग के साथ फबता है. यदि इस कलर को स्टाइल के साथ पहना जाए तो काफी कम्फर्ट भी फील करता है. ब्लैक एक ऐसा कलर है जिसे दिनरात, सर्दी हो या गरमी, कभी भी कैरी कर सकते हैं. जहां यलो, ग्रीन और औरेंज कलर्स गरमी में अच्छे लगते हैं, वहीं सदी में डार्क कलर्स. लेकिन ब्लैक का कोई मौसम नहीं है, यह हर सीजन के लिए परफैक्ट है. यदि आप को लगता है कि ब्लैक सिर्फ एक कलर है तो आप गलत हैं. यह रंग आप के स्टाइल के बारे में भी बताता है.

हर रंग के साथ सुपरहिट

ब्लैक कलर को कलर्स औफ किंग कहा जाए तो गलत नहीं होगा. ब्लैक कलर के आगे कोई दूसरा रंग नहीं टिकता. ब्लैक कलर किसी भी मौसम में पहना जा सकता है. इस रंग की खासीयत यह है कि इस का फैशन कभी आउट नहीं होता और इसे कभी किसी दूसरे कलर के साथ मैच किया जा सकता है. यदि आप को मिक्स ऐंड मैच वाले आउटफिट्स पसंद हैं तो ब्लैक आप के लिए परफैक्ट कलर है.

ऐक्सैसरीज मैचिंग आसान

आप को कंप्लीट स्टाइलिश बनाने में सिर्फ आउटफिट्स ही जरूरी नहीं हैं, न्यू ट्रैंड्स ऐक्सैसरीज से लुक में जान आ जाती है. कपड़ों से मैच करती ऐक्सैसरीज मिलना तो बहुत मुश्किल होता है, लेकिन ब्लैक ऐक्सैसरीज एवरग्रीन हैं, जिन्हें किसी भी आउटफिट्स के साथ कैरी किया जा सकता है. ब्लैक बैल्ट किसी भी ड्रैस या डैनिम के साथ पेयर्ड की जा सकती है. यदि ड्रैस की मैचिंग ज्वैलरी के सिलैक्शन में समस्या आ रही हो तो ब्लैक स्टोन नैकलेस या इयररिंग किसी भी कलर की ड्रैस के साथ चल सकती है. इसी तरह औक्सीडाइज्ड ज्वैलरी भी कैजुअल और फॉर्मल वियर के साथ एक अच्छा औप्शन है.

ब्लैक सनग्लास स्वैग

सनग्लास में ब्लैक कलर का जादू हमेशा से ही टौप पर रहा है. काले चश्मे के स्वैग ने यंग जेनरेशन से ले कर बौलीवुड तक सभी को दीवाना बनाया है. कैटरीनासिद्धार्थ की फिल्म 'बारबार देखो' में 'काला चश्मा' गाने ने एक बार फिर सब के पसंदीदा सनग्लास की धुन छेड़ दी है. कैटरीना और सिद्धार्थ ने एथनिक कपड़ों के साथ काला चश्मा पहना है जो वाकई स्मार्टी लुक दे रहा है. वैसे, आजकल दुलहनों की ऐंट्री भी काला चश्मा पहन कर डांस करते हुए होने लगी है. उन का यह 'मौडर्न यट एथनिक' लुक बेहद स्टाइलिश लगता है.

कुछ भी पहन लो इस के साथ

अगर आप फैशन में बिलकुल अनाड़ी हैं तो ब्लैक आप के लिए सब से अच्छा औप्शन है. कोई भी कलर का टौप हो, ब्लैक डैनिम या ब्लैक शौर्ट पहन कर अपनी मैचिंग प्रौब्लम तुरंत सौल्व कर सकती हैं. ब्लैक कलर उन के लिए फ्रैंडली है जिन्हें मैचिंग करना सिरदर्द लगता है.

हर लुक को करें कंपलीट

आप कैजुअल लुक चाहती हैं या किसी पार्टी की जान बनना चाहती हैं तो इस के लिए ब्लैक आउटफिट से अच्छा कुछ हो ही नहीं सकता है. डेट, दोस्तों के साथ मस्ती, ऑफिशियल मीटिंग में आप बिंदास ब्लैक आउटफिट पहन सकती हैं. ब्लैक कलर की इतनी खूबियां हैं कि आप चाहें तो खुद भी ट्राई कर सकती हैं कि किस तरह ब्लैक कलर आप की पर्सनैलिटी को उभारता है. इन्हीं खूबियों के कारण ब्लैक कलर हर उम्र के लोगों के लिए बैस्ट है.

गर्ल्स की जान है ब्लैक

टीवी ऐक्ट्रैस हिबा नवाब का कहना है कि ब्लैक मेरा फेवरेट कलर है, क्योंकि इस के साथ क्या पहनें क्या न पहनें, जैसी माथापच्ची नहीं होती. बस, वार्डरोब से निकाला और ड्रैसअप हो गए. कालेजगोइंग गर्ल्स भी ब्लैक कलर पसंद कर रही हैं. स्किन टाइट ब्लैक टौप, ब्लैक कुरते विथ लैगिंस गर्ल्स को बहुत लुभा रहा है. ड्रैस के कलर के अनुसार ऐक्सैसरीज भी सलैक्ट करनी चाहिए. ऐसे में ब्लैक ड्रैस के साथ ब्लैक कलर की बैली, ब्लैक मैटल ज्वैलरी, इयररिंग और ब्लैक आईशेड काफी अच्छी लगती है. इस के अलावा पार्टी में ब्लैक साड़ी के साथ कुंदन की ज्वैलरी पहनने से हैवी लुक आता है.

ऑडियोबुक सुनना फिल्म देखने से ज्यादा आपको बांध कर रखता है

ऑडियोबुक्स आपको फिल्म देखनो से ज्यादा भावनात्मक तौर पर बांध कर रखता है। हो सकता है कि आपको यह सुनकर थोड़ा अटपटा जरूर लगे लेकिन हाल ही में हुए एक शोध में इसका खुलासा हुआ है।

यूसीएल (यूनिवर्सिटी कॉलेज लदंन) में किए गए एक शोध के अनुसार, किताब को सुनने से इंसान के अंदर साइकोलॉजिकल बदलाव देखने को मिलते हैं। इसके अलावा हार्ट रेट भी बढ़ता है। शोध के दौरान शोधकर्ताओं ने अलग-अलग उम्र के 103 प्रतिभागियों को कई सारी किताबों के ऑडियो वर्जन सुनाए। इसके बाद शोधकर्ताओं ने उन्हें उन्हीं किताबों पर बनी फिल्में दिखाई। इस दौरान प्रतिभागियों की एक ही सीन को देखते समय और सुनते समय प्रतिक्रियाओं पर भी नजर रखी गई। इस अध्ययन में 'गेम ऑफ थ्रोन्स' और 'गर्ल ऑन द ट्रेन' के भावनात्मक सींस को प्रतिभागियो को टीवी पर दिखाया गया और उनके ऑरिजिनल किताब के ऑडियो वर्जन को सुनाया भी गया।

शोध के प्रमुख जोसेफ डेवलिन के अनुसार, शोध के दौरान पाया गया कि प्रतिभागियों की भावनात्मक और साइकोलॉजिकल प्रतिक्रिया ऑडियोबुक्स को सुनते समय और उसी सीन को देखते समय से कहीं ज्यादा थी। इसके अलावा अलग-अलग कहानियां में, अलग-अलग उम्र के और अलग-अलग जगह से आने वाले प्रतिभागियों की प्रतिक्रिया समान ही थी। वहीं दूसरी ओर प्रतिभागियों को इस बात का अंदाजा नहीं था कि उनकी प्रतिक्रिया ऑडियोबुक्स के लिए कहीं ज्यादा थी। शोध के बाद प्रतिभागियों ने शोधकर्ताओं को कहा कि उन्होंने सीन को देखते समय ज्यादा बंधा हुआ महसूस किया। लेकिन वहीं उनके शरीर में होने वाली प्रतिक्रिया के आधार पर ऐसा नहीं था।

प्रतिभागी जब ऑडियो बुक्स सुन रहे थे, तब उनकी हार्ट रेट प्रति मिनट दो ज्यादा थी। साथ ही उनके शरीर का तापमान भी दो डिग्री अधिक था। हालांकि अभी यह पूरी तरह से साफ नहीं हुआ है कि क्यों ऑडियोबुक्स लोगों को इस तरह बांध कर रखती है। लेकिन शोधकर्ताओं के अनुसार, इसका एक कारण यह भी हो सकता है कि लोग ऑडियोबुक्स सुनते समय कहानी की कल्पना करने की कोशिश करते हैं, जिस कारण लोगों की प्रतिक्रिया इस माध्यम में कहीं ज्यादा होती है। एक साल तक किए गए यूसीएल (यूनिवर्सिटी कॉलेज लदंन) के अध्ययन में इन तथ्यों का खुलासा हुआ।

खास पल की तस्वीरें लेने से धुंधली हो जाती है उसकी याद

वैज्ञानिकों का कहना है कि किसी पल को यादगार बनाने की खातिर इंस्टाग्राम या स्नैपचैट के लिए तस्वीरें लेना नुकसानदेह हो सकता है। उनका कहना है कि तस्वीरें लेने से उस पल से जुड़ी लोगों की यादें क्षीण हो जाती हैं। सैंटा क्रूज में यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया की शोध छात्रा जूलिया सोर्स ने बताया कि लोगों का मानना है कि तस्वीरें लेने से उन्हें किसी चीज को बेहतर तरीके से याद रखने में मदद मिलती है, लेकिन होता ठीक इसके उलट है। कई प्रयोगों के तहत शोधकर्ताओं ने लोगों को एक आभासी संग्रहालय की सैर कराई जहां उन्होंने कंप्यूटर स्क्रीनों पर पेंटिंगें देखी। उस वक्त उन्हें पता था कि उन्होंने जो चीजें देखी हैं उस बारे में उनकी परीक्षा ली जाएगी। शोधकर्ताओं ने तीन स्थितियों के बाद तुलना की कि किन प्रतिभागियों को पेंटिंग से जुड़ी चीजें कितना याद है। तीन स्थितियों में एक तो यह थी जब उन्होंने सिर्फ तस्वीरें देखीं, दूसरी स्थिति थी कि जब उन्होंने पेंटिंग देखी और कैमरा फोन से उनकी तस्वीरें ली। तीसरी स्थिति यह थी कि जब उन्होंने स्नैपचैट का इस्तेमाल कर तस्वीरें ली।

तस्वीरें लेने वालों का प्रदर्शन लगातार खराब होता गया। लेकिन जिन्होंने तस्वीरें नहीं ली थी उन्हें चीजें बेहतर याद रहीं।

बेसन के गुण अनेक, बस एक बार आजमाकर तो देखें

हमारी त्वचा का दिन भर तेज धूप, धूलमिट्टी और अन्य कई तरह के प्रदूषण से सामना होता है, जिस की वजह से उस का नैचुरल ग्लो फीका पड़ने लगता है, चेहरे पर काले दागधब्बे व मुंहासे नजर आने लगते हैं. ऐसे में जरूरी है कि त्वचा को अच्छी तरह साफ किया जाए ताकि वह हमेशा खिलीखिली नजर आए.

ऐसे में बेसन एक ऐसा घरेलू प्रोडक्ट है, जिस का उपयोग खाने के साथसाथ सौंदर्य के लिए भी किया जाता है. यह पूरी तरह नैचुरल होता है. इस से त्वचा को किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं होता. बेसन में ऐंटीमाइक्रोबायल होता है, जो त्वचा की गंदगी को सोख लेता है और मृत कोशिकाओं को हटा कर त्वचा को कोमल व चमकदार बनाता है.

बेसन कई स्किन प्रौब्लम्स जैसे बेजान त्वचा, डार्क स्किन, पिंपल्स, दागधब्बों को दूर करने के साथसाथ अनचाहे बालों से भी छुटकारा दिलाता है.

हमारे चेहरे पर कुछ अनचाहे बाल होते हैं, जो हमारी खूबसूरती को फीका करते हैं. लेकिन नियमित बेसन का प्रयोग करने से बाल कम हो जाते हैं और चेहरे पर चमक आती है. अगर आप के चेहरे पर बाल ज्यादा हैं तो आप बेसन में नीबू का रस, मलाई और चंदन पाउडर मिला कर लगाएं. सूखने के बाद ठंडे पानी से चेहरा धो लें.

यह एक प्राकृतिक स्क्रब है, जो त्वचा से मृत कोशिकाओं को हटाता है. फेसपैक के अलावा बौडी स्क्रब के रूप में भी बेसन काफी फायदेमंद है. यह बौडी की दुर्गंध को हटा कर ताजगी का एहसास कराता है.

गरमी के दिनों में तेज धूप की वजह से त्वचा झुलस जाती है. त्वचा टैन हो जाती है. ऐसे में दही में बेसन मिला कर चेहरे पर लगाएं. यह चेहरे को ठंडक प्रदान करने के साथसाथ टैनिंग को भी दूर करता है.

आमतौर पर तैलीय त्वचा वालों को मुंहासों की समस्या रहती है. बेसन तैलीय त्वचा के लिए वरदान है. यह चेहरे से अतिरिक्त तेल सोख लेता है, जिस से मुंहासों की समस्या दूर हो जाती है. अगर आप मुंहासों से परेशान हैं तो अंडे के सफेद भाग में बेसन मिला कर चेहरे पर लगाएं.

नीबू के साथ बेसन मिला कर लगाने से चेहरे से कालापन दूर हो जाता है और ब्लैकहैड्स कम हो जाते हैं. साथ ही चेहरे पर चमक आती है. डार्क सर्कल्स को भी बेसन दूर करता है. बेसन में संतरे के छिलके व मलाई मिला कर लगाने से डार्क सर्कल्स कम हो जाते हैं और रंग साफ होता है.

अधिकांश महिलाओं की गरदन व हाथ काले होते हैं. ऐसा सूर्य की किरणों से सीधा संपर्क में आने की वजह से होता है. बेसन में दही, नीबू का रस व थोड़ी सी हलदी मिला कर हाथों और गरदन पर लगाएं. 20 मिनट तक लगाए रखने के बाद ठंडे पानी से धो लें. ऐसा सप्ताह में 3 बार करें. आप खुद फर्क महसूस करेंगी.

बेसन चेहरे के साथसाथ केशों के लिए भी फायदेमंद है. यह केशों को स्वस्थ व चमकदार बनाता है. यह हेयरपैक और हेयरस्पा के रूप में भी काम करता है. यह केशों को पोषण देता है. जिस से डैंड्रफ की समस्या दूर होती है और केशों में चमक आती है.

अलगअलग प्रकार की त्वचा के लिए बेसन अलग प्रकार से काम करता है. अगर आप की त्वचा ऑयली है तो आप गुलाबजल के साथ बेसन का पैक बना कर फेस पर लगाएं और सूखने के बाद धो लें. यह पैक स्किन से अतिरिक्त औयल सोख लेता है और चेहरा खिलाखिला नजर आता है.

ड्राई स्किन को हमेशा केयर की जरूरत होती है ताकि उसे हाइड्रेट होने से बचाया जा सके. इसलिए स्किन को मौइश्चराइज करने के लिए बेसन का पैक जरूरी है. बेसन में शहद, कच्चा दूध और थोड़ी सी हलदी मिला कर लगाएं.

लेमन टी के ये पांच फायदे हैं त्वचा के लिए वरदान

आजकल हर कोई चाहता है कि उसके चेहरे की चमक और दमक बरकरार रहे. इसके लिए कुछ लोगों को सलाह मिलती है कि लेमन टी से चेहरा धुलने पर वह अच्छा हो जाता है. क्या यह बात वाकई में सच है. जी हां, लेमन टी स्वास्थ्य को ही नहीं बल्कि चेहरे को भी अच्छा बना देती है. इसके कई लाभ होते हैं जोकि निम्न प्रकार हैं:

दाने न होने देना

अगर आपके चेहरे पर बहुत सारे दाने हैं तो लेमन टी से अपने चेहरे को प्रतिदिन वॉश करें. इसमें ऐसे तत्व को होते हैं तो दाने पैदा करने वाले कीटाणुओं को मार देते हैं और त्वचा को दाने रहित बना देते हैं.

ब्लैकहेड्स निकाल देना

लेमन टी से हल्के हाथों से मसाज करने पर ब्लैकहेड्स निकल जाते हैं और त्वचा पर कोई भी ब्लैकहेड्स नहीं रह जाता है.

तैलीय त्वचा पर असरदार

कई लोगों की स्कीन इतनी ज्यादा ऑयली होती है कि उनकी त्वचा पर कोई भी चीज असर नहीं करती है. ऐसे में लेमन टी काफी सहायक होती है.

त्वचा को क्लीन कर देना

यह नेचुरल क्लींजर की भांति काम करता है. इससे त्वचा पर हल्के हाथों से स्क्रब करने पर स्कीन में मुलायमपन आ जाता है और वह अच्छे से क्लीन हो जाती है.

वक्त के साथ बदलता रहा सलवार-कमीज का स्टाइल

जब भारत ही पहली महिला प्रफेशनल पहलवान कविता दलाल उर्फ कविता देवी रिंग में उतरीं, तो जानते हैं उन्होंने क्या पहन रखा था? उस कविता केसरिया रंग का सलवार कमीज पहनकर और दुपट्टे कसके कमर में बांधकर दो-दो हाथ करने रिंग में उतरी थीं। सलवार कमीज पहनने के उनके इस आइडिया ने उनके भारतीय होने पर देशवासियों को गर्व कराया। खैर ये तो बात रही पहलवान के सलवार-कमीज पहनने की। भारतीय महिलाओं के बीच सलवार-कमीज या कहें सूट का यह पहनावा प्राचीन काल से लोकप्रिय है।

हालांकि इसको पहनने की शुरुआत मध्य-पूर्व एशिया से हुई। पाकिस्तानी महिलाओं के लिए भी यह राष्ट्रीय परिधान है। भारत में यह मुगल शासन काल से पहना जा रहा है। उस वक्त इसे महिला और पुरुष दोनों पहना करते थे। पहलवान कविता देवी ने भी अपना हुनर दिखाने के लिए इसी पहनावे को चुना। समय के साथ-साथ इस पहनावे में भी कई प्रकार के बदलाव होते रहे। डिजायनर मोनिका शाह का कहना है कि उन्हें सलवार-कमीज के साथ किए जाने वाले प्रयोग बहुत पसंद आते हैं। मोनिका कहती हैं कि आजकल डिजायनर सलवार-कमीज में समय के साथ नए-नए बदलाव करते हैं, जो कि देखने में भी काफी खूबसूरत लगते हैं। इसके साथ-साथ इसके कंफर्ट लेवल का भी ध्यान रखा जाता है। आजकल सलवार के अलावा इसमें महिलाएं प्लाजो, धोती, पेंट्स, सिगरेट पेंट्स और स्कर्ट भी कैरी करती हैं। वहीं कुर्ते या कमीज की जगह पर केप स्टाइल टॉप, जैकेट्स और लॉन्ग कुर्ते ने ले ली है।

गर्मियों के मौसम में परफेक्ट आउटफिट

सलवार-कमीज को गर्मियों के लिए परफेक्ट आउटफिट माना जाता है। समय के साथ-साथ इसकी फिटिंग में भी काफी परिवर्तन आया है। 70 के दशक में टाइट-फिट सूट का चलन था तो उसके बाद लॉन्ग कुर्ता और जेनी स्टाइल सलवार का फैशन आया। उसके बाद 80 के दशक में चूड़ीदार, पटियाला और धोती पहनी जाने लगी। इस दशक की शुरुआत में डिजायनरों ने अनारकली सूट भी निकाला, जो कि बॉलीवुड की फिल्मों में भी काफी देखने को मिला। पिछले 3-4 साल से सलवार-कुर्ते में कुछ ज्यादा ही प्रयोग देखे गए।

साड़ी बनाम सूट

हालांकि सूट की तुलना जब साड़ी से होती है तो यहां यह पहनावा मात खा जाता है। खासकर कि सोशल मीडिया के जमाने में। जहां अब बाकायदा आप इस 6 गज की साड़ी को पहनने का तरीका भी सीख सकते हैं। इसमें कोई दोराय नहीं है कि साड़ी को पारंपरिक परिधान का दर्जा दिया गया है। मगर सलवार-कमीज में मिलने वाले आराम का कोई मुकाबला नहीं है। वैसे देखा जाए जो भारतीय पहनावे में दोनों का अपना एक अलग-अलग स्थान है।

फाउंडेशन खरीदने के दौरान 5 बातों का रखें ध्यान

मेकअप में सबसे जरूरी चीज फाउंडेशन होती है। चेहरे को स्मूद और वन टोन लुक देने के लिए यह बेहद जरूरी होता है। कई बार ऐसा होता है कि लड़कियां फाउंडेशन ले तो लेती हैं पर जब वह उसे लगाती हैं तो उन पर टोन सूट नहीं करता, इससे मेकअप का बेस ही ठीक से नहीं बन पाता। ऐसा कुछ आपके साथ न हो इसके लिए आपको भी फाउंडेशन खरीदते समय पांच बातों का खास तौर पर ध्यान रखना जरूरी है।

फॉर्म्युला पर दें ध्यान

मार्केट में कोई नया फाउंडेशन आते ही उसे न खरीदें। पहले उसके फॉर्म्युला के बारे में अच्छे से जानकारी जुटा लें। आपको पता होना चाहिए कि आपकी स्किन पर कौन से फॉर्म्युले का फाउंडेशन ज्यादा सूट करेगा। बड़ी उम्र और ड्राइ फेस वालों को मॉइस्चराइजिंग प्रॉप्टीज युक्त फाउंडेशन लेना चाहिए, वहीं ऑइली स्किन वाले मैट फॉर्म्युले का फाउंडेशन खरीदें।

कितना कवरेज है जरूरी

हर स्किन पर एक ही फाउंडेशन सूट नहीं कर सकता। कुछ लड़कियां के चेहरे पर ब्लेमिश होते हैं तो कुछ की स्किन पहले से ही स्मूद होती है। आपको किस परपस के लिए फाउंडेशन चाहिए यह बात आपको ध्यान रखना चाहिए। अगर आपको लाइट लुक चाहिए तो आप मीडियम कवरेज फाउंडेशन चुनें और आपको एक्ने, या दाग-धब्बे छुपाना है तो फुल कवरेज फाउंडेशन को सिलेक्ट करें। फाउंडेशन दो ग्रुप में डिवाइड होते हैं- वार्म टोन और कोल्ड टोन। आपका अंडरटोन कौन सा है अगर आप यह पहचान जाएं तो आपके लिए सही फाउंडेशन का चुनाव करना बेहद आसान हो जाएगा। अंडरटोन पहचानने का सबसे अच्छा तरीका आपकी नस होती है। अगर आप कोल्ड अंडरटोन वाले हैं तो आपकी कलाई के पीछे वाले हिस्से पर नीली नसें दिखाई देंगी और अगर आप वार्म टोन वाले हैं तो आपकी नसें हरी रंग की दिखेंगीं।

शक है तो सिलेक्ट करें लाइट फाउंडेशन

आप अगर तय नहीं कर पा रहे हैं कि आपको डार्कर टोन चाहिए या लाइट तो हमेशा दूसरे ऑप्शन यानि लाइटर फाउंडेशन सिलेक्ट करें। ऐसा इसलिए क्योंकि लाइट फाउंडेशन आपके चेहरे पर बेस बना देगा, जिसके बाद आप ब्लशर और ब्रॉन्जर से शेड को बैलेंस कर सकते हैं।

फाउंडेशन टेस्ट जरूर करें

शॉप में फाउंडेशन ट्राइ जरूर करें। हालांकि, इस दौरान आप लाइट में रहने की जगह एक बार सूरज की रोशनी में भी उसे जरूर देखें, ताकि यह साफ हो जाए कि आपके चेहरे पर फाउंडेशन का वह शेड असल में कैसा लगेगा। इसे लेकर आप हिचकिचाएं नहीं, क्योंकि अगर आपने गलत शेड का फाउंडेशन खरीद लिया तो बाद में आपको ही परेशानी होगी।

17वें राज्य स्तरीय सीएससी दिवस पर बस्तर ने लहराया परचम, सर्वाधिक ई-केवाईसी और आधार नामांकन के लिए राज्य स्तर पर सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना के तहत महिलाओं ने अपनी ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी कर ली है। राज्य में यह अभियान महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा चलाया गया।

17वें राज्य स्तरीय सीएससी दिवस के अवसर पर रायपुर स्थित न्यू सर्किट हाउस के कन्वेंशन हॉल में आयोजित सम्मान समारोह में बस्तर जिले के कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) संचालकों एवं आधार ऑपरेटरों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पूरे प्रदेश में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। राज्य के वित्त, आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी ने मुख्य अतिथि के रूप में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतिनिधियों को प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति-चिन्ह प्रदान कर

सम्मानित किया।

बस्तर जिले के सीएससी वीएलई रुद्राक्षन नेमा को महतारी वंदन योजना के अंतर्गत पूरे प्रदेश में सर्वाधिक महिलाओं का सफलतापूर्वक ई-केवाईसी पूर्ण करने तथा सीएससी की विभिन्न डिजिटल सेवाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राज्य स्तरीय सम्मान प्रदान किया गया। उनकी उपलब्धि बस्तर जिले में डिजिटल सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जनसामान्य तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने का प्रमाण है।

बस्तर की आधार ऑपरेटर मालती नेताम एवं गायत्री नाग को छत्तीसगढ़ में सर्वाधिक नए आधार नामांकन तथा आधार अद्यतन सेवाएं प्रदान करने के लिए सम्मानित किया गया। दूरस्थ एवं आदिवासी अंचल में रहकर उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने वाले इन प्रतिनिधियों की उपलब्धि जिले के लिए गौरव का विषय है।

समारोह को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि कॉमन सर्विस सेंटर आज केवल सरकारी सेवाओं के वितरण का माध्यम नहीं, बल्कि डिजिटल सशक्तिकरण, वित्तीय समावेशन और ग्रामीण विकास का मजबूत आधार बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि गांव-गांव तक कार्यरत सीएससी संचालक और आधार ऑपरेटर नागरिकों को आधार, एग्रीस्टैक, फसल बीमा, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, बैंकिंग, पेंशन तथा अन्य शासकीय सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध करा रहे हैं। इससे ग्रामीणों का समय और खर्च दोनों बच रहे हैं तथा योजनाओं का लाभ समय पर मिल रहा है। कार्यक्रम के दौरान बस्तर जिले में सीएससी परियोजनाओं के सफल संचालन के लिए जिला प्रबंधक विकास बिसोई के नेतृत्व और प्रभावी मॉनिटरिंग की भी सराहना की गई। उनके मार्गदर्शन में जिले के सीएससी वीएलई एवं आधार ऑपरेटर शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

खास-खबर

सूरजपुर में 16 अगस्त से पहुंचेगी लाइफ लाइन एक्सप्रेस

रायपुर। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को आमजन तक पहुंचाने और जरूरतमंद नागरिकों को विशेषज्ञ उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत इम्पैक्ट इंडिया फाउंडेशन की 256वीं लाइफलाइन एक्सप्रेस परियोजना के अंतर्गत सूरजपुर जिले के विश्रामपुर रेलवे स्टेशन, प्लेटफॉर्म क्रमांक-02 पर 16 अगस्त से 5 सितंबर 2026 तक नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक ओपीडी सेवाएं संचालित होंगी तथा आवश्यकता अनुसार मरीजों की नि:शुल्क जांच एवं सर्जरी भी की जाएगी। इस विशेष शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा आंखों की जांच एवं मोतियाबिंद सर्जरी, कान की जांच एवं सर्जरी, प्लास्टिक सर्जरी (कटे-फटे होंठ तथा जलने के बाद उत्पन्न संकुचन), दांतों की जांच एवं उपचार तथा महिलाओं के लिए स्तन एवं गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की जांच और स्क्रीनिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। विशेष रूप से 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के मुड़े हुए हाथ-पैर की जांच एवं सर्जरी नि:शुल्क की जाएगी।

सरस्वती साइकिल योजना के तहत 55 छात्राओं को मिली निः शुल्क साइकिल

कोंडागांव। स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, जामकोटपारा (कोंडागांव) में शनिवार को सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत 55 छात्राओं को नि:शुल्क साइकिल वितरित की गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं स्थानीय विधायक लता उसेंडी थीं। विधायक लता उसेंडी ने छात्राओं को साइकिल वितरित करते हुए कहा कि राज्य सरकार की यह योजना बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि साइकिल मिलने से छात्राओं की विद्यालय तक पहुंच आसान होगी, नियमित उपस्थिति बढ़ेगी तथा वे आत्मनिर्भर बनते हुए बिना किसी बाधा के अपनी शिक्षा जारी रख सकेंगी। उन्होंने छात्राओं को मन लगाकर पढ़ाई करने और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

एक पेड़ मां के नाम केवल संदेश नहीं, देशव्यापी महाअभियान: मंत्री टंक राम वर्मा

बलौदाबाजार के सकरी स्थित मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल में जिला स्तरीय वन महोत्सव 2026 का आयोजन

रायपुर। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली के संकल्प के साथ शनिवार को बलौदाबाजार के सकरी स्थित मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल में जिला स्तरीय 'वन महोत्सव 2026' का गरिमामय आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा शामिल हुए। इस अवसर पर जनप्रति?निधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, स्कूली बच्चों और नागरिकों की व्यापक सहभागिता के बीच वृहद पौधारोपण किया गया।

राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने कार्यक्रम का शुभारंभ एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कर किया गया। अतिथियों ने स्वयं पौधे रोपकर समाज को पर्यावरण सहेजने का प्रेरक संदेश दिया और लगाए गए पौधों की सुरक्षा व देखभाल का संकल्प लिया।

इस अवसर पर राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिया गया 'एक पेड़ मां के नाम' केवल एक संदेश नहीं, बल्कि जन-जन को जोड़ने वाला एक देशव्यापी महाअभियान है। आज के दौर में पर्यावरण का संतुलन बनाए रखना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। हर नागरिक अपनी मां के सम्मान में कम से कम एक पौधा जरूर लगाए। केवल पौधा लगा देना ही काफी नहीं है, उसे वृक्ष बनने तक सहेजना और नियमित देखभाल करना ही इस अभियान की वास्तविक सार्थकता है।

समारोह को और अधिक जीवंत बनाने के लिए स्कूली विद्यार्थियों के बीच चित्रकला और रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चों ने अपनी कलाकृतियों के माध्यम से प्रकृति और वृक्षों के महत्व को बखूबी उकेरा।

प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति-पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया।इसी तरह वनों को भीषण दावानल (आग) से सुरक्षित रखने में साहसिक और उल्लेखनीय योगदान देने वाले वनसाथियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

इस जिला स्तरीय वन महोत्सव में राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आकांक्षा जायसवाल, कलेक्टर, वनमंडलाधिकारी सहित क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने आमजन से इस हरित अभियान से जुड़ने की अपील की।

व्याकरण ही नहीं, सत्यता और संतुलन ही भाषा की वास्तविक शुचिता - मनोज दयाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के एकमात्र कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय में हिंदी साहित्य के युगद्रष्टा मुंशी प्रेमचंद की जयंती 31 जुलाई के अवसर पर एक ऐतिहासिक पहल की गई। इस पावन अवसर पर विश्वविद्यालय में 'बौद्धिक विमर्श इकाई' की स्थापना की गई, जिसके तहत सार्वजनिक जीवन में भाषा की शुचिता विषय पर एक विशेष राष्ट्रीय विमर्श आयोजित हुआ।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. डॉ. मनोज दयाल ने मुंशी प्रेमचंद के साहित्यिक एवं पत्रकारिता योगदान को नमन करते हुए उन्होंने कहा कि ?प्रेमचंद ने अपनी धारदार लेखनी से समाज की विसंगतियों पर करारा प्रहार किया और आम आदमी की सहज-सरल बोली को साहित्य के उच्च शिखर पर स्थापित किया। आज के दौर में भाषा की शुचिता का दायरा केवल व्याकरणिक शुद्धता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सत्यता, वैचारिक संतुलन और वस्तुनिष्ठता का समाहित होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में संवाद का सकारात्मक प्रयोग समाज को जोड़ता है, जबकि मर्यादाहीन और कलुषित भाषा सामाजिक विभाजन को जन्म देती है।

कुलसचिव सुनील शर्मा ने कहा कि सफल संवाद वही है जो श्रोता की समझ और गरिमा को ध्यान में रखकर किया जाए। सार्वजनिक जीवन में हमारी भाषा का स्तर ही हमारे व्यक्तित्व और विचारों का दर्पण होता है।

विश्वविद्यालय के वरिष्ठ आचार्यों ने रेखांकित किया कि आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया की अति-सक्रियता के बीच भाषा की मर्यादा, संयम और संतुलन बनाए रखना पत्रकारिता और समाज के सामने सबसे बड़ी चुनौती है।

विश्वविद्यालय में नवगठित 'बौद्धिक विमर्श इकाई' के माध्यम से अब नियमित रूप से ज्वलंत व समकालीन विषयों पर परिचर्चाएँ आयोजित की जाएँगी, जिससे विद्यार्थियों और प्राध्यापकों के बीच वैचारिक आदान-प्रदान की संस्कृति और मजबूत हो सके। इस अवसर पर डॉ. शैलेंद्र खंडेलवाल, डॉ. आशुतोष मंडावी, डॉ. नृपेंद्र शर्मा एवं डॉ. राजेंद्र मोहंती, पत्रकारिता विभागाध्यक्ष पंकज नयन पांडेय उपस्थित थे।

सेवा सेतु से मिली डिजिटल सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से सुशासन सरकार नागरिकों तक पहुंचा रही है तेज़, पारदर्शी और भरोसेमंद सेवाएं। सेवा सेतु। इसमें आप अपने मोबाइल में कई सेवा घर बैठे, जाति प्रमाण पत्र है, निवास प्रमाण पत्र है, आय प्रमाण पत्र है, चाहे आपका राजस्व का खसरा बी-1 है, ये सब घर बैठे प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में नागरिकों को शासकीय सेवाएं सरल, सुगम और पारदर्शी ढंग से उपलब्ध कराने की दिशा में संचालित सेवा सेतु केंद्र आमजन के लिए एक भरोसेमंद माध्यम बनकर उभर रहे हैं। इसी पहल का लाभ दुर्ग जिले के वैशाली नगर निवासी शुभम वर्मा को मिला, जिन्हें सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से मात्र एक माह के भीतर डिजिटल जाति प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ।

शुभम वर्मा ने बताया कि उनके पास पहले से मैनुअल जाति प्रमाण पत्र उपलब्ध था, लेकिन उसके फटने, खराब होने अथवा खो जाने की आशंका को देखते हुए उन्होंने डिजिटल जाति प्रमाण पत्र बनवाने का निर्णय लिया। सेवा सेतु केंद्र में निर्धारित दस्तावेजों के साथ आवेदन प्रस्तुत करने के बाद उनकी प्रक्रिया समयबद्ध रूप से पूरी की गई और एक माह के भीतर डिजिटल जाति प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। यह प्रमाण पत्र सेवा सेतु केंद्र, जोन-2, भिलाई से उनके पिता ने प्राप्त किया।

शुभम ने बताया कि डिजिटल जाति प्रमाण पत्र कंप्यूटर जनित होने के साथ सक्षम अधिकारी के डिजिटल हस्ताक्षर से प्रमाणित होता है, जिससे इसकी विश्वसनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित होती है। इसके उपयोग से दस्तावेज के सुरक्षित रखरखाव में सुविधा मिलती है तथा भविष्य में आवश्यकतानुसार इसका उपयोग भी आसान हो जाता है। शुभम वर्मा ने सेवा सेतु केंद्र की सराहना करते हुए कहा कि इस व्यवस्था के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हो रही हैं।

20 बेटियों को साइकिल और 50 पौधों से सजा शिक्षा का उत्सव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शिक्षा का संकल्प, बेटियों को उड़ान और हरियाली का संदेश-चिरमिरी में शाला प्रवेश उत्सव का भव्य आयोजनस्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी विद्यालय गोदरीपारा, चिरमिरी में शनिवार को शाला प्रवेश उत्सव, नि:शुल्क सरस्वती साइकिल वितरण एवं 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ शासन के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास तथा 20 सूत्रीय कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने की।

कार्यक्रम के दौरान कक्षा पहली में प्रवेश लेने वाले नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों का उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया। मंत्री जायसवाल ने बच्चों को तिलक लगाकर, माला पहनाकर एवं मिष्ठान खिलाकर उनका अभिनंदन किया। उन्होंने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को किताबें एवं परिचय पत्र भी प्रदान किए। इस दौरान विद्यालय परिसर में बच्चों के चेहरों पर उत्साह और उमंग देखने को मिली।

कार्यक्रम में शिक्षा की गुणवत्ता एवं बेहतर परीक्षा परिणाम पर विशेष जोर दिया गया। 'मिशन 100' के तहत कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों को 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम हासिल करने की शपथ मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने दिलाई। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित अध्ययन, अनुशासन और मेहनत के साथ परीक्षा की तैयारी करने का आह्वान किया। मंत्री जायसवाल ने उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं पालकों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की सफलता में विद्यालय के साथ-साथ अभिभावकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने पालकों से बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने और उन्हें बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने का आग्रह किया। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने तथा अच्छे परीक्षा परिणाम के लिए पूरी लगन से प्रयास करने के लिए प्रेरित किया।

विकसित भारत जी-राम-जी: डबरी बनी किसानों की समृद्धि का आधार

जल संरक्षण के साथ 914 मानव दिवस रोजगार का सृजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के साथ-साथ स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण कर आजीविका को मजबूत करने की दिशा में विकसित भारत जी-राम-जी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुंगेली जिले में जल संरक्षण, सिंचाई सुविधा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के उद्देश्य से किए जा रहे कार्यों का सकारात्मक असर अब किसानों के खेतों में दिखाई देने लगा है। विकासखण्ड पथरिया की ग्राम पंचायत सांवतपुर में हितग्राही ननकू-मन्नू के खेत में निर्मित डबरी इसका प्रेरक उदाहरण है।

शिकायत समन्वयक श्री महेश कुमार डाहिरे ने बताया कि डबरी का आकार 23म23 मीटर है। इसके निर्माण के लिए लगभग 02 लाख 99 हजार 174 रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई। निर्माण कार्य के दौरान 914 मानव दिवस रोजगार का सृजन हुआ, जिससे ग्रामीण श्रमिकों को गांव में ही रोजगार का अवसर मिला। अब यह डबरी केवल एक जल संरचना नहीं, बल्कि किसान के लिए सिंचाई और जल सुरक्षा का स्थायी साधन बन गई है। वर्षा के दौरान इसमें पानी का संचयन होगा, जिसका उपयोग आवश्यकता के अनुसार खरीफ एवं रबी फसलों की सिंचाई में किया जा सकेगा। इससे खेती में पानी की उपलब्धता बढ़ेगी और किसानों को सिंचाई के लिए बाहरी संसाधनों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी।

डबरी निर्माण ने योजना के दोहरे उद्देश्य को साकार किया है। एक ओर ग्रामीण श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिला, वहीं दूसरी ओर किसान के खेत में ऐसी परिसंपत्ति तैयार हुई जो आने वाले वर्षों तक उपयोगी रहेगी। डबरी में जल संचयन से भू-जल पुनर्भरण, जल संरक्षण और जलवायु अनुकूल कृषि को भी बढ़ावा मिलेगा। जल उपलब्धता बढ़ने से फसल उत्पादन को स्थिरता मिलने के साथ खेती की लागत कम करने में भी मदद मिलेगी। इस प्रकार ग्रामीण रोजगार को कृषि उत्पादकता और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण से जोड़कर गांव की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में यह कार्य महत्वपूर्ण साबित हो रहा है।

कलेक्टर कुन्दन कुमार ने कहा कि विकसित भारत जी-राम-जी योजना के माध्यम से निर्मित डबरी, खेत तालाब एवं अन्य जल संरक्षण संरचनाएं ग्रामीण विकास की मजबूत आधारशिला हैं। इससे एक ओर ग्रामीण परिवारों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलता है, वहीं दूसरी ओर किसानों को सिंचाई की स्थायी सुविधा प्राप्त होती है। जिले में जल संरक्षण और आजीविका संवर्धन से जुड़े ऐसे कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गोकुल रावटे ने कहा कि व्यक्तिगत लाभ के डबरी निर्माण जैसे कार्य ग्रामीण परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। ग्राम पंचायत सांवतपुर में 914 मानव दिवस का रोजगार सृजन योजना के रोजगार उपलब्ध कराने और स्थायी परिसंपत्ति निर्माण के दोहरे उद्देश्य को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा कि जिला पंचायत द्वारा ऐसे कार्यों का गुणवत्ता एवं पारदर्शिता के साथ क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है।

जिला प्रशासन द्वारा विकसित भारत जी-राम-जी के अंतर्गत डबरी, खेत तालाब, मेड़बंदी, वृक्षारोपण एवं अन्य प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। इन कार्यों से वर्षाजल का बेहतर उपयोग, भू-जल पुनर्भरण, कृषि उत्पादकता में वृद्धि और ग्रामीण परिवारों की आजीविका को मजबूती मिल रही है।

महतारी वंदन योजना बनी आत्मनिर्भरता का आधार

सुकमा। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में प्रभावी साबित हो रही है। सुकमा जिले के दोरनापाल परियोजना अंतर्गत ग्राम कामापेदागुड़ा की निवासी मड़कम कामे इसका प्रेरणादायी उदाहरण हैं। योजना के तहत प्रतिमाह प्राप्त होने वाली आर्थिक सहायता ने उनके परिवार को आर्थिक संबल प्रदान किया है। उनकी सूझबूझ और संसाधनों के बेहतर उपयोग से आज उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।मड़कम कामे को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पक्का आवास प्राप्त हुआ है, महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि का उपयोग उन्होंने परिवार की आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में किया, जिससे घरेलू आर्थिक स्थिति मजबूत हुई।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

कोरबा में शराब माफियाओं के खिलाफ सड़क पर उतरीं महिलाएं

कोरबा। जिले के कुसमुंडा क्षेत्र की बलगी कॉलोनी में अवैध शराब बिक्री और उससे जुड़ी आपराधिक गतिविधियों के विरोध में शनिवार को स्थानीय लोगों का गुस्सा खुलकर सामने आया। कॉलोनी के करीब 50 से 60 महिला-पुरुष एकजुट होकर स्श्वष्टरु एरिया मैनेजर के निवास पहुंचे और अपनी समस्याओं को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना था कि कॉलोनी और आसपास के इलाकों में लंबे समय से अवैध शराब का कारोबार चल रहा है। शाम होते ही शराब के नशे में धुत लोग कॉलोनी में घूमते हैं, गाली-गलौज करते हैं, मारपीट करते हैं और महिलाओं से अभद्र व्यवहार करते हैं। इससे कॉलोनी में रहने वाले कर्मचारियों के परिवार, महिलाएं और बच्चे खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। मौके पर पहुंचे स्श्वष्टरु अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों की समस्याएं सुनीं और भरोसा दिलाया कि उनकी मांगों से उच्च प्रबंधन को अवगत कराया जाएगा। साथ ही पुलिस प्रशासन के साथ समन्वय कर कॉलोनी की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा।

रायपुर के भनपुरी में 2 लोगों ने की आत्महत्याः छत और कमरे में मिले शव

रायपुर। राजधानी के भनपुरी के रामेश्वर नगर में दो अलग-अलग जगह पर दो लोगों ने आत्महत्या कर ली है। रविवार की सुबह परिजनों ने शव देखा और पुलिस को सूचना दी है। मृतकों की शिनाख्त ठाकुर राम साहू (55) और दुर्गा साहू (24) के रूप में हुई है। घटना खमतराई थाना क्षेत्र की है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। खमतराई पुलिस के अनुसार, थाना क्षेत्र स्थित रामेश्वर नगर इलाके में एक महिला और पुरुष के आत्महत्या किए जाने की सूचना मिली थी। पुलिस की टीम ने दोनों घटना स्थल का जायजा लिया। पंचनामा कार्रवाई के बाद दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए मेकाहारा अस्पताल भेज दिया गया है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लोनर हाथी के हमले से किसान की मौत

कोरबा। जिले के करतला वन परिक्षेत्र अंतर्गत बड़मार गांव में लोनर हाथी के हमले से एक किसान की मौत हो गई। मृतक की पहचान बड़मार निवासी 53 वर्षीय जगेश्वर राठिया के रूप में हुई है। घटना शनिवार सुबह बड़मार गांव से लगभग 2 किलोमीटर अंदर जंगल में हुई। जानकारी के अनुसार 53 वर्षीय जगेश्वर राठिया रोज की तरह सुबह खेत में काम करने गया था। काम निपटाकर जब वह वापस गांव लौट रहा था, तभी जंगल में अचानक उसकी मुठभेड़ एक लोनर हाथी से हो गई। हाथी ने उसे सूंड से पटक कर पैरों से कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

जुआ, सट्टा एवं ऑनलाइन सट्टा के दुर्ग पुलिस की कार्रवाई : 120 प्रकरणों में 477 आरोपी गिरफ्तार

- 39.29 लाख नगद एवं 1.65 करोड़ से अधिक की सामग्री जप्त
- चालू वर्ष के सात महीने में दुर्ग पुलिस को मिली उल्लेखनीय सफलता

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस ने वर्ष 2026 के शुरुआती 7 महीने में जुआ, सट्टा एवं ऑनलाइन सट्टा के खिलाफ जिलेभर में विशेष अभियान चलाकर कुल 120 प्रकरणों में 477 आरोपियों पर वैधानिक कार्रवाई की है।कार्रवाई के दौरान 39 लाख,29 हजार 212 नगद राशि, 522 मोबाइल, 32 लैपटॉप, 70 मोटर सायकल व कार सहित लगभग 1 करोड़ 65 लाख 54 हजार 430 मूल्य की सामग्री जप्त कर अपराधियों के आर्थिक एवं तकनीकी नेटवर्क पर प्रभावी प्रहार किया गया।जुआ एवं सट्टा के वर्ष 2026 के दर्ज 21 प्रकरणों में भारतीय न्याय संहिता के संगठित अपराध संबंधी प्रावधानों का प्रभावी उपयोग करते हुए संबंधित धाराएं जोड़ी गईं तथा पूरे आपराधिक नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

दुर्ग जिले में जुआ, सट्टा एवं ऑनलाइन सट्टा जैसी अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने तथा इनके संगठित नेटवर्क को ध्वस्त करने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल के निर्देशन में वर्ष 2026 के प्रारंभ से ही जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों एवं विशेष टीमों को निरंतर अभियान संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अंतर्गत जिले के सभी थाना क्षेत्रों में सूचना संकलन, तकनीकी विश्लेषण, साइबर इंटेलिजेंस, मुखबिर तंत्र, वित्तीय लेन-देन की निगरानी तथा योजनाबद्ध दबिश की रणनीति अपनाते हुए लगातार कार्रवाई की जा रही है। पुलिस द्वारा केवल मौके पर जुआ अथवा सट्टा खेलते पाए गए व्यक्तियों तक कार्रवाई सीमित न रखते हुए इनके संचालकों, नेटवर्क संचालित करने वाले व्यक्तियों, आर्थिक लाभ प्राप्त करने वालों तथा तकनीकी सहयोगियों तक पहुंचने के लिए साक्ष्य आधारित विवेचना की जा रही है। ऑनलाइन सट्टा प्रकरणों में मोबाइल फोन, लैपटॉप, बैंक खातों, यूपीआई ट्रांजेक्शन, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एवं अन्य डिजिटल साक्ष्यों का वैज्ञानिक विश्लेषण कर पूरे नेटवर्क की पहचान की जा रही है तथा उससे जुड़े प्रत्येक व्यक्ति के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

दुर्ग पुलिस द्वारा नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों का प्रभावी एवं परिणाममुखी उपयोग करते हुए वर्ष 2026 में जुआ एवं सट्टा के दर्ज कुल 21 प्रकरणों में संगठित अपराध संबंधी धाराएं जोड़ी गई हैं। इन प्रकरणों में केवल मौके पर गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई तक सीमित न रहकर पूरे आपराधिक सिंडिकेट, मुख्य संचालकों, वित्तीय लाभ प्राप्त करने वाले व्यक्तियों, तकनीकी सहयोगियों तथा अपराध से अर्जित संपत्ति एवं आर्थिक नेटवर्क की भी गहन विवेचना की जा रही है। नए कानून के इन प्रावधानों का उद्देश्य संगठित अपराध की जड़ों तक पहुंचकर उसके संपूर्ण नेटवर्क को विधिसम्मत रूप से ध्वस्त करना है। दुर्ग पुलिस द्वारा इन धाराओं का प्रभावी उपयोग करते हुए संगठित अपराधों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है, जिससे जिले में ऐसे अपराधों पर स्थायी एवं प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

तकनीक आधारित कार्रवाई से मिली रही सफलता

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने बताया कि विशेष रूप से ऑनलाइन सट्टा के विरुद्ध साइबर तकनीक आधारित कार्रवाई करते हुए डिजिटल साक्ष्यों, बैंकिंग लेन-देन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों एवं तकनीकी विश्लेषण के आधार पर संगठित गिरोहों का खुलासा किया जा रहा है। इस प्रकार दुर्ग पुलिस पारंपरिक पुलिसिंग के साथ-साथ आधुनिक तकनीक एवं नए आपराधिक कानूनों का समन्वित उपयोग कर संगठित अपराध के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई कर रही है। वर्ष 2026 में संचालित विशेष अभियान के दौरान जुआ, सट्टा एवं ऑनलाइन सट्टा के कुल 120 प्रकरणों में 477 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

कैफे में कैरम खेल रही युवती को किस कर भाग रहा था बदमाश, लोगों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्मृति नगर चौकी क्षेत्र में चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां के एक कैफे में कैरम खेल रही लड़की को एक बदमाश ने किस किया और भागने लगा। इससे लड़की वहीं कुर्सी से गिर गई। आसपास मौजूद युवकों ने उसे पकड़ा और पुलिस के हवाले कर दिया। घटना शुक्रवार रात की बताई जा रही है। पूरी घटना पास लगे ष्टष्ट्रञ्जङ्क कैमरे में कैद हो गई। शनिवार को सुपेला थाने में मामला दर्ज कर आरोपी को हिरासत में लिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार पीडित लड़की मूल रूप से बालोद के डौंडी की रहने वाली है और स्मृति नगर में रहकर पढ़ाई कर रही हैं। पुलिस को दी गई शिकायत में उसने बताया गया कि वह 31 जुलाई की रात करीब 10:30 बजे वह अपनी सहेली और दोस्तों के साथ मॉडल टाउन स्थित शनि मंदिर के पास एक कैफे में बैठकर कैरम खेल रही थी। इसी दौरान युवक वहां पहुंचा और अचानक दोनों हाथों से उनका गला पकड़ कर किस किया जिससे वह कुर्सी के साथ फर्स पर गिर गई। इसके बाद वह भागने लगा।

शोर मचाने पर पास बैठे बाकी लोग मौके पर पहुंचे। इस दौरान बदमाश भागने लगा, लेकिन लोगों ने उसे पकड़ लिया। पीड़िता की शिकातय के बाद पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया। आरोपी ने अपना नाम हेमंत क्षत्री बताया है। पुलिस ने पीड़ित छात्रा की शिकायत पर हेमंत छत्री के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

महानदी पुल पर हुई हत्या का खुलासा, व्यापार की रंजिश में युवक ने खेला था खूनी खेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। कुरूद थाना क्षेत्र अंतर्गत नारी महानदी पुल में हुए एक हत्या के मामले का पुलिस ने 10 दिन बाद खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में 21 वर्षीय युवक को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। चावल व्यवसाय में प्रतिस्पर्धा से उपजी रंजिश के चलते आरोपी ने हत्या की वारदात को अंजाम दिया था।

मिली जानकारी के अनुसार, 22 जुलाई को नारी महानदी पुल के ऊपर मुख्य मार्ग पर नीरज साहू पिता खुमान साहू, उम्र 27 वर्ष, निवासी कुण्डेल (धमतरी) का शव मिला था। मृतक के गले एवं माथे पर गंभीर चोट के निशान पाए गए थे तथा घटनास्थल पर उसका बोलेरो पिकअप वाहन ष्टत्र-06-त्रञ्ज-7675 भी खड़ा मिला था। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी।

इस दौरान सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य सबूतों के आधार पर संदेही बिरेंद्र कुमार साहू (21 वर्ष), निवासी सांकरा-मगरलोड, को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान आरोपी ने नीरज साहू की हत्या करना स्वीकार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह और मृतक दोनों चावल का व्यवसाय करते थे। मृतक का व्यवसाय अच्छा चलने और उसकी कमाई अधिक होने के कारण वह उसके प्रति अंदर ही अंदर रंजिश रखता था।

रफ्तार का कहर : कार ने स्कूटी सवार परिवार को रौंदा, बेटे और पिता की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। रजगामार क्षेत्र में शनिवार को एक तेज रफ्तार कार ने पूरे परिवार की खुशियां उजाड़ दीं। डुमरडीह जंगल के पास मुख्य मार्ग पर कथित रूप से नशे में धुत कार सवारों ने स्कूटी सवार एक परिवार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में 6 वर्षीय मासूम बेटे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि इलाज के दौरान पिता ने भी दम तोड़ दिया। मां की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम मौहार निवासी चैत राम राठिया अपनी पत्नी सुमित्रा राठिया और 6 वर्षीय बेटे दिशांत राठिया के साथ स्कूटी से घर लौट रहे थे। दोपहर करीब 3 बजे डुमरडीह जंगल के पास पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी स्कूटी को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कूटी काफी दूर तक घिसटती चली गई।

हादसे में सबसे ज्यादा चोट मासूम दिशांत को आई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पिता चैत राम और मां सुमित्रा गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। वहां इलाज के दौरान चैत राम राठिया ने भी दम तोड़ दिया, जबकि सुमित्रा राठिया की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि कार सवार लोग शराब के नशे में थे और तेज गति से वाहन चला रहे थे। टक्कर के बाद वे कुछ देर मौके पर रुके, लेकिन बाद में कार लेकर फरार हो गए। सूचना मिलने पर रजगामार पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। चैत राम राठिया के परिवार में तीन बेटे और एक बेटी सहित कुल चार बच्चे हैं। इस हादसे में परिवार के कमाने वाले सदस्य और एक मासूम बेटे की मौत से घर पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

ऑनलाइन आईपीएल सट्टा मामले में बड़ा फैसला सात आरोपियों को मिली तीन-तीन साल की सजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। जिले में ऑनलाइन आईपीएल क्रिकेट सट्टा और फर्जी वेबसाइट के माध्यम से संचालित सट्टेबाजी एवं धोखाधड़ी के चर्चित मामले में पेंड्रारोड न्यायालय ने अहम फैसला सुनाया है। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी कु. सीमा जगदल्ला की अदालत ने सात आरोपियों को दोषी करार देते हुए प्रत्येक को तीन-तीन वर्ष के साधारण कारावास और 10-10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। वहीं, पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिलने पर चार सह-आरोपियों को बरी कर दिया गया।

न्यायालय ने प्रकाश केंवट, हर्ष जायसवाल, रितेश सुल्तानिया उर्फ गुनगुन, मधुर जैन, योगेश देवांगन, विनायक ताम्रकार तथा राजकुमार कश्यप को भारतीय दंड संहिता की धाराओं 120-बी, 420, 467, 468 एवं 471 के तहत दोषी पाया। साथ ही छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा-6 के तहत भी तीन वर्ष के साधारण कारावास और 10-10 हजार रुपये के जुर्माने से दंडित किया। मामले में शासन की ओर से एडीपीओ सुचिता सिंह ने पैरवी की।

वहीं, अजय यादव, जितेन्द्र सोनवानी, राहुल कोरी और अनुराग सोनी को साक्ष्यों के अभाव में सभी आरोपों से दोषमुक्त कर दिया गया। अदालत ने आईटी एक्ट की धाराओं 66सी और 66डी के तहत लगाए गए आरोपों से भी सभी आरोपियों को बरी कर दिया।

यह मामला मई 2024 का है, जब पेंड्रा थाना पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने ग्राम छपराटोला (दुबटिया) में छापेमारी कर ऑनलाइन आईपीएल मैचों पर सट्टा संचालित करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया था। कार्रवाई के दौरान कई आरोपी रंगे हाथ गिरफ्तार किए गए थे। मामले की विवेचना तत्कालीन एसडीओपी एवं क्राइम ब्रांच प्रभारी दीपक मिश्रा ने तत्कालीन पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के निर्देशन में की थी।

जांच में सामने आया था कि आरोपी Rajaranibook.com नामक फर्जी वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए ऑनलाइन सट्टे का नेटवर्क चला रहे थे। पैसों के लेन-देन के लिए फर्जी सिम कार्ड और अन्य लोगों के बैंक खातों का उपयोग किया जाता था।

दो साल बाद हत्या का मुख्य आरोपी गिरफ्तार, शराब में जहर मिलाकर दोस्त की ली थी जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले के उरगा थाना क्षेत्र में दो साल पहले हुए चर्चित हत्या मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। फरार चल रहे मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी ने अपने साथी के साथ मिलकर पुरानी रंजिश के चलते युवक को जहरीली शराब पिलाकर मौत के घाट उतार दिया था।

उरगा थाना क्षेत्र में वर्ष 2024 में हुए चर्चित हत्या प्रकरण का मुख्य आरोपी आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गया। करीब दो वर्षों से फरार चल रहे वैभव भारती को कोरबा पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। इससे एक दिन पहले पुलिस ने मामले के सह-आरोपी जितेंद्र मसीह को भी गिरफ्तार किया था। दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ ही इस बहुचर्चित हत्याकांड के सभी आरोपी पुलिस की गिरफ्त में आ चुके हैं।

पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक विकास अग्रवाल और मुख्य आरोपी वैभव भारती के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। आरोपी को संदेह था कि विकास उसकी बहन पर गलत नजर रखता है। इसी रंजिश के चलते उसने अपने साथी जितेंद्र मसीह के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची।

जांच के अनुसार, 16 फरवरी 2024 को एक शादी समारोह के दौरान दोनों आरोपियों ने पहले विकास को जमकर शराब पिलाई। जब वह नशे की हालत में था, तब बाजार से चूहे मारने की जहरीली दवा लाकर शराब में मिला दी और वही शराब उसे पिला दी। जहरीला पदार्थ शरीर में पहुंचते ही उसकी तबीयत बिगड़ गई। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

घर के बाहर खड़ी गाडियों से बैटरी चुराने वाला करने वाला शातिर आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुपेला पुलिस ने फरीद नगर व आसपास के क्षेत्रों में घर के बाहर खड़े ऑटो एवं टाटा-एस वाहनों से बैटरी चोरी करने वाले आरोपी को सीसीटीवी फुटेज एवं मुखबिर सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से विभिन्न कंपनियों की चोरी की कुल 15 नग बड़ी बैटरियां जप्त कर प्रकरण में वैधानिक कार्रवाई करते हुए न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। थाना सुपेला पुलिस द्वारा त्वरित एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए चोरी की श्रृंखलाबद्ध घटनाओं का खुलासा कर क्षेत्रवासियों को राहत प्रदान की गई।

प्रार्थी कलीम खान द्वारा थाना सुपेला में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि वह अपने ऑटो क्रमांक ष्टत्र-07-ञ्ज-2874 को प्रतिदिन रात्रि में अपने घर के बाहर फरीद नगर, मुरम खदान, निजामी चौक, सुपेला में खड़ा करता है। दिनांक 30.07.2026 की सुबह वाहन की सफाई करते समय ऑटो की बैटरी गायब मिली। पड़ोसी के घर में लगे सीसीटीवी फुटेज देखने पर एक अज्ञात व्यक्ति रात्रि लगभग 02:50 बजे ऑटो की बैटरी निकालकर ले जाते हुए दिखाई दिया।

प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना सुपेला में चोरी का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। घटनास्थल निरीक्षण, सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण एवं मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर संदेही इमरान कुरैशी को चिन्हित किया गया। पुलिस टीम द्वारा उसके निवास स्थान पर पहुंचकर पूछताछ की गई, जिसमें आरोपी ने फरीद नगर एवं आसपास क्षेत्रों में घर के बाहर खड़े ऑटो एवं टाटा-एस वाहनों से बैटरियां चोरी करना स्वीकार किया।

आरोपी रात्रि के समय घरों के बाहर खड़े ऑटो एवं मालवाहक वाहनों की रेकी कर सुनसान समय का फायदा उठाते हुए बैटरियां निकालकर चोरी करता था तथा नशे की लत पूरी करने के उद्देश्य से चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। आरोपी के मेमोरण्डम कथन एवं निशानदेही पर विभिन्न कंपनियों की कुल 15 नग बड़ी बैटरियां बरामद कर जप्त की गईं। पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी चोरी के प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन हैं।

मजबूत अधोसंरचना और उद्योग अनुकूल नीतियों से तेजी से आगे बढ़ रहा छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर के लाभांडी स्थित एक निजी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित सीजी टेंट एंड डेकोर एक्सपो-2026 में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन किया, विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा देशभर से आए टेंट एवं इवेंट उद्योग से जुड़े प्रतिनिधियों से संवाद किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन किसी भी उद्योग को नई दिशा देने, आधुनिक तकनीकों से जोड़ने और व्यापारिक अवसरों का विस्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

छत्तीसगढ़ में उद्योग और व्यापार के लिए अनुकूल वातावरण, नई उद्योग नीति से निवेश को मिल रही नई गति

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ आज उद्योग और व्यापार के लिए देश के सबसे अनुकूल राज्यों में तेजी से उभर रहा है। राज्य सरकार की नई उद्योग नीति को देश-विदेश में सकारात्मक प्रतिसाद मिल रहा है। निवेशकों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है और प्रदेश आर्थिक प्रगति के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य ऐसा वातावरण तैयार करना है, जहां उद्योग, व्यापार और उद्यमिता समान रूप से विकसित हों तथा युवाओं को अधिकाधिक रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्राप्त हों।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीजी टेंट एंड डेकोर एक्सपो-2026 नवाचार, कौशल विकास और व्यावसायिक साझेदारी का प्रभावी मंच है। इस तीन दिवसीय आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों से आए विशेषज्ञ, निर्माता, सप्लायर और व्यवसायी अपने अनुभव, तकनीक और नए उत्पाद साझा कर रहे हैं। इससे छत्तीसगढ़ के स्थानीय व्यवसायियों को आधुनिक उपकरणों, नवीन डिजाइनों और बदलते बाजार की आवश्यकताओं को समझने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने कहा कि आज इवेंट और टेंट उद्योग तेजी से बदल रहा है। आधुनिक तकनीक, आकर्षक डिज़ाइन, बेहतर प्रबंधन और गुणवत्ता इस क्षेत्र की नई पहचान बन चुके हैं। ऐसे आयोजनों से स्थानीय उद्यमियों को राष्ट्रीय स्तर के अनुभव प्राप्त होंगे, जिससे उनका व्यवसाय और अधिक प्रतिस्पर्धी एवं सशक्त बनेगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि टेंट एवं इवेंट उद्योग हमारी अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। विवाह समारोहों से लेकर सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और शासकीय आयोजनों तक आपकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रहती है। आप केवल टेंट और सजावट की व्यवस्था नहीं करते, बल्कि लोगों के जीवन के सबसे महत्वपूर्ण और यादगार अवसरों को सुंदर, व्यवस्थित और गरिमामय स्वरूप प्रदान करते हैं। यह उद्योग लाखों लोगों की खुशियों और सामाजिक आयोजनों का अभिन्न हिस्सा बन चुका है।

उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र ने हजारों युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार उपलब्ध कराया है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोग इस व्यवसाय से जुड़े हैं। विशेष रूप से महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से टेंट व्यवसाय से जुड़कर आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लखपति दीदी अभियान के अंतर्गत आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनी अनेक महिलाओं ने टेंट एवं संबंधित गतिविधियों को अपनी आजीविका का माध्यम बनाया है। इससे उनके परिवारों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार के एक्सपो से छोटे और मध्यम स्तर के टेंट व्यवसायियों को भी नई दिशा मिलेगी। उन्हें आधुनिक मशीनों, उपकरणों, सजावटी सामग्री, डिजिटल प्रबंधन और व्यवसाय विस्तार के नए अवसरों की जानकारी प्राप्त होगी, जिससे वे अपने कारोबार को और अधिक व्यवस्थित एवं लाभकारी बना सकेंगे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की भौगोलिक स्थिति देश के मध्य में होने के कारण यह व्यापार और लॉजिस्टिक्स की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण राज्य है। राज्य सरकार सड़क, रेलवे और हवाई संपर्क को लगातार मजबूत कर रही है ताकि उद्योगों और व्यापारिक गतिविधियों को और अधिक गति मिल सके। उन्होंने कहा कि रेल अवसंरचना के क्षेत्र में पिछले वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। केंद्र सरकार द्वारा रेल बजट में छत्तीसगढ़ के लिए रिकॉर्ड प्रावधान किए गए हैं तथा अनेक नई रेल परियोजनाओं पर कार्य तेजी से चल रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश के 32 रेलवे स्टेशनों का अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत आधुनिक स्वरूप में विकास किया जा रहा है। हाल ही में कटघोरा-डोंगरगढ़ रेल लाइन परियोजना को आगे बढ़ाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। इससे प्रदेश के अनेक क्षेत्रों में आवागमन, व्यापार, पर्यटन और औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि मजबूत अधोसंरचना ही निवेश, उद्योग और रोजगार का सबसे बड़ा आधार होती है और राज्य सरकार इसी दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह एक्सपो छत्तीसगढ़ के टेंट एवं इवेंट उद्योग को नई पहचान देगा तथा स्थानीय उद्यमियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करेगा।

कार्यक्रम को विधायक अमर अग्रवाल ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर टेंट ओनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विपुल सिंह, प्रदेश अध्यक्ष अमरजीत सिंह दुआ, श्रीमती रंजीत कौर दुआ सहित छत्तीसगढ़ टेंट ओनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारी, देशभर से आए टेंट एवं इवेंट उद्योग से जुड़े व्यवसायी तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सेवा सेतु बना बेटियों के सपनों का संबल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य सरकार की सुशासन और डिजिटल सेवा व्यवस्था को मजबूत करने वाली सेवा सेतु पहल आज प्रदेश के हजारों परिवारों के लिए भरोसे का माध्यम बनती जा रही है। अब नागरिकों को छोटे-छोटे प्रमाण-पत्रों और शासकीय सेवाओं के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं, बल्कि एक ही केंद्र पर पारदर्शी, सरल और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं।

ऐसी ही एक प्रेरक कहानी दंतेवाड़ा जिले के बड़े बचेली क्षेत्र से सामने आई है, जहां मुन्ना राम अपनी पुत्री सरिता की उच्च शिक्षा को लेकर चिंतित थे। कॉलेज में प्रवेश के लिए आय प्रमाण-पत्र सहित आवश्यक दस्तावेजों की जरूरत थी, लेकिन दस्तावेज समय पर उपलब्ध न होने से उनकी बेटी की पढ़ाई प्रभावित होने की आशंका थी। परिवार ने सेवा सेतु केंद्र में आवेदन किया। केंद्र के अधिकारियों और कर्मचारियों ने आवेदन की त्वरित प्रक्रिया पूरी करते हुए आवश्यक आय प्रमाण-पत्र समय पर जारी कर दिया। दस्तावेज मिलने के बाद सरिता का उच्च शिक्षा में प्रवेश सुनिश्चित हो सका और उसकी पढ़ाई बिना किसी रुकावट के आगे बढ़ सकी।

मुन्ना राम ने बताया कि पहले ऐसे कार्यों के लिए कई दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे, जिससे समय और आर्थिक संसाधनों दोनों की परेशानी होती थी। अब सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से एक ही स्थान पर आवश्यक सेवाएं आसानी से उपलब्ध हो रही हैं। उन्होंने कहा कि समय पर दस्तावेज मिलने से उनकी बेटी का भविष्य सुरक्षित हुआ और परिवार की बड़ी चिंता दूर हो गई।

उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा सेतु जैसी व्यवस्था ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों के लिए सुशासन का वास्तविक उदाहरण है। यह पहल न केवल प्रशासन को नागरिकों के करीब ला रही है, बल्कि बेटियों की शिक्षा, युवाओं के भविष्य और आम लोगों के आत्मविश्वास को भी नई मजबूती दे रही है।

राज्य सरकार द्वारा डिजिटल और नागरिक-केंद्रित सेवाओं के विस्तार से यह स्पष्ट हो रहा है कि सुशासन का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि जरूरतमंदों तक समय पर उनका लाभ पहुंचाना है।

युवा ज्ञान, नवाचार और नैतिक मूल्यों से करें राष्ट्र निर्माण - राज्यपाल

राज्यपाल ने जिंदल विश्वविद्यालय के छठवें दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को दी उपाधियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा है कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि ज्ञान को विवेक, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ जनकल्याण के लिए उपयोग में लाना है। एक शिक्षित व्यक्ति की पहचान उसके प्रमाण-पत्रों से नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति उसके योगदान से होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने जीवन में कम से कम एक ऐसा कार्य अवश्य करें, जो समाज के लिए स्थायी रूप से लाभकारी सिद्ध हो और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बने।

राज्यपाल श्री डेका रायगढ़ स्थित ओ.पी. जिंदल विश्वविद्यालय के छठवें दीक्षांत समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। समारोह में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट तथा स्कूल ऑफ साइंस के 688 विद्यार्थियों को स्नातक एवं स्नातकोत्तर उपाधियां प्रदान की गईं। उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करने वाले 27 विद्यार्थियों को स्वर्ण, 28 को रजत तथा 29 विद्यार्थियों को कांस्य पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया।

राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि वर्तमान समय तेजी से बदलती तकनीक, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा का दौर है। ऐसे समय में उच्च शिक्षा संस्थानों की भूमिका केवल शिक्षण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि उन्हें ऐसे युवा तैयार करने होंगे जो ज्ञान के साथ संवेदनशीलता, नेतृत्व क्षमता, अनुसंधान की प्रवृत्ति और सामाजिक सरोकारों को भी अपने व्यक्तित्व का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि शिक्षा की सच्ची सार्थकता केवल उपाधि प्राप्त करने में नहीं, बल्कि उस ज्ञान को समझदारी, दूरदर्शिता और नैतिक साहस के साथ जीवन में उतारने में है।

आपका ज्ञान तभी पूर्ण होगा, जब वह समाज और मानवता के कल्याण में उपयोगी बने। जीवन में कम से कम एक ऐसा कार्य अवश्य करें, जो समाज के लिए स्थायी रूप से लाभकारी सिद्ध हो। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर निकलने वाले युवा अपने ज्ञान, प्रतिभा और संस्कारों के बल पर देश के विकास तथा समाज के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

समारोह में जिंदल स्टील के चेयरमैन एवं सांसद नवीन जिंदल, विश्वविद्यालय की चांसलर शालू जिंदल, छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष प्रो. विजय कुमार गोयल, जिंदल स्टील रायगढ़ के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर देबोज्योति रॉय, कुलपति डॉ.आर.डी. पाटीदार विशेष रूप से उपस्थित थे।

जिला चिकित्सालय में फिजियोथेरेपी से मिली नई जिंदगी

रायपुर। जिला चिकित्सालय मुंगेली में उपलब्ध बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मरीजों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। इसी कड़ी में मुंगेली निवासी सुमन सोनी को नियमित फिजियोथेरेपी और उचित उपचार मिलने से उनके दर्द में राहत मिली। अब वे पहले की अपेक्षा काफी सहजता से अपने दैनिक कार्य कर पा रही हैं। सुमन सोनी ने बताया कि उन्हें लंबे समय से घुटनों और कमर के असहनीय दर्द की समस्या थी। दर्द के कारण उनके दैनिक कार्य भी प्रभावित होने लगे थे। लगातार बढ़ते दर्द से उन्हें काफी परेशानी होती थी। उपचार के लिए जिला चिकित्सालय पहुंचने पर चिकित्सक डॉ. उत्कर्ष पाठक ने उनकी जांच कर फिजियोथेरेपी कराने की सलाह दी। फिजियोथेरेपी के पश्चात अब सुमन सोनी को दर्द से राहत मिल गई है। उन्होंने जिला चिकित्सालय में मिली गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के लिए चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समय पर मिला उपचार उनके लिए किसी नई उम्मीद से कम नहीं है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा ने बताया कि आधुनिक उपचार सुविधाओं के साथ विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मरीजों को आवश्यक परामर्श एवं समुचित उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे अनेक मरीजों को स्वास्थ्य लाभ मिल रहा है।

आंगनबाड़ी सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने राज्यभर में प्रशिक्षण अभियान तेज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ और गुणवत्तापूर्ण मातृ-शिशु सेवाओं के लक्ष्य को लेकर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास गतिविधियों को गति दी जा रही है। इसी क्रम में बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के शंकरगढ़ विकासखंड में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं पर्यवेक्षकों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी रमाकांत चंद्राकर के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) के अंतर्गत संचालित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार तथा हितग्राहियों तक योजनाओं का बेहतर लाभ सुनिश्चित करना था।

कार्यशाला में पूरक पोषण आहार, गर्भवती एवं धात्री माताओं की देखभाल, बच्चों के जीवन के प्रारंभिक 1000 दिनों का महत्व, वृद्धि मापन, कुपोषण की पहचान एवं प्रबंधन, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा, गृह भ्रमण, पोषण ट्रैकर के प्रभावी उपयोग तथा स्वास्थ्य, पंचायत एवं अन्य विभागों के साथ समन्वय जैसे विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी रामाकांत चंद्राकर ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शासन की योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं एवं पर्यवेक्षकों से समन्वित रूप से कार्य करते हुए प्रत्येक पात्र हितग्राही को समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने तथा बच्चों, किशोरियों एवं माताओं के पोषण एवं स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया।

कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया तथा क्षेत्रीय स्तर पर सामने आने वाली समस्याओं पर चर्चा कर उनके व्यावहारिक समाधान बताए गए। साथ ही शासन द्वारा जारी नवीन दिशा-निर्देशों, पोषण संबंधी अभियानों और आईसीडीएस से संबंधित अद्यतन योजनाओं की जानकारी भी साझा की गई।

इस अवसर पर बाल विकास परियोजना अधिकारी राहुल सिंह, स्वास्थ्य विभाग के विकासखंड स्तरीय अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग के पर्यवेक्षक तथा बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार की कार्यशालाएं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की कार्यकुशलता बढ़ाने, पोषण ट्रैकिंग को सुदृढ़ करने तथा बच्चों और माताओं तक गुणवत्तापूर्ण सेवाएं पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

आत्मरक्षा प्रशिक्षण से बेटियों में आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का होता है विकास : मंत्री लखन लाल देवांगन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वाणिज्य उद्योग, श्रम एवं आबकारी मंत्री लखन लाल देवांगन जिला कुडो संघ द्वारा मंगल भवन, कटघोरा में आयोजित राज्य स्तरीय आवासीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर 2026 के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आई प्रतिभाशाली बेटियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मंत्री देवांगन ने कहा कि बेटियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देना केवल उन्हें स्वयं की सुरक्षा के लिए सक्षम बनाना नहीं है, बल्कि उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन, साहस और नेतृत्व क्षमता का विकास करना भी है। जब हमारी बेटियाँ आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनती हैं, तभी एक सुरक्षित, सशक्त और विकसित समाज के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होता है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में खेलों के विकास और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य में खेल अधोसंरचना के विकास, प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने तथा ग्रामीण क्षेत्रों तक खेल संस्कृति को मजबूत करने के लिए अनेक पहल की जा रही हैं। सरकार का उद्देश्य प्रदेश के युवाओं और खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए तैयार करना है।

मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि भारत सरकार भी खेलो इंडिया जैसी महत्वाकांक्षी पहल के माध्यम से खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने, आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराने और खिलाड़ियों को बेहतर मंच प्रदान करने का कार्य कर रही है। केंद्र एवं राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से प्रदेश के खिलाड़ियों को नई पहचान और बेहतर अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की बेटियाँ आज खेल, शिक्षा, कला और विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। उन्हें उचित प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और अवसर उपलब्ध कराकर देश के लिए उत्कृष्ट खिलाड़ी एवं जिम्मेदार नागरिक बनाया जा सकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह राज्य स्तरीय आवासीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर प्रतिभागियों को जीवन की हर चुनौती का आत्मविश्वास के साथ सामना करने, अनुशासित जीवन जीने तथा राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए नई ऊर्जा और प्रेरणा प्रदान करेगा।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री देवांगन ने जिला कुडो संघ के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण शिविर बेटियों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का भी विकास करते हैं।

इस अवसर पर पार्षद श्री नरेंद्र देवांगन, पार्षद श्री जनक राजपूत, कुडो कराते संघ की अध्यक्ष सुश्री सीता रजक सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी, प्रशिक्षक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बाढ़ प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचे वन मंत्री केदार कश्यप

पालकी गांव में राहत सामग्री और सहायता राशि का किया वितरण, हरसंभव मदद का दिलाया भरोसा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन मंत्री केदार कश्यप नारायणपुर जिले के पालकी गांव पहुंचकर बाढ़ प्रभावित परिवारों से मिले और उनका हालचाल जाना। उन्होंने प्रभावित लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याओं और जरूरतों की जानकारी ली तथा हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया।

मंत्री कश्यप ने प्रभावित परिवारों को राहत सहायता राशि के चेक और कंबलों का वितरण किया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा के समय प्रभावित लोगों तक त्वरित राहत पहुंचाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रशासन लगातार हालात पर नजर रखे हुए है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि राहत सामग्री और जरूरी सहायता समय पर हर परिवार तक पहुंचे।

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार बाढ़ प्रभावित परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता के साथ खड़ी है। सरकार का लक्ष्य राहत और पुनर्वास कार्यों में तेजी लाकर प्रभावित लोगों के जीवन को जल्द से जल्द सामान्य बनाना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राहत कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो। प्रभावित क्षेत्रों में खाद्य सामग्री, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं और अन्य आवश्यक सुविधाएं लगातार उपलब्ध कराई जाएं। जिन परिवारों को अतिरिक्त सहायता की जरूरत है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर लाभ दिया जाए।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950